केंद्रीय विद्यालय, आई. एन. ए. कॉलोनी
नई दिल्ली- ११००२३

KENDRIYA VIDYALAYA I.N.A. COLONY
NEW DELHI-110023

विद्यालय पत्रिका 2022-23

Our Mentors

Dr Srinivas Chairman, VMC Director, AIIMS, New Delhi

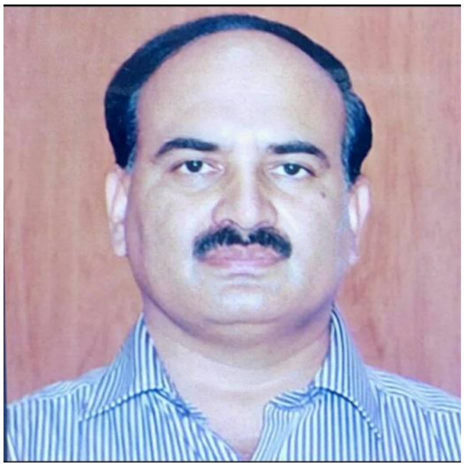

Mr. S S CHAUHAN
Deputy Commissioner
KVS, RO, Delhi

Dr. ANANT MOHAN
Nominee Chairman, VMC
Head Department of pulmonary Medicine, AIIMS New Delhi

Mr Sanjit Kumar
Assistant Commissioner
KVS, RO, Delhi

Mr. GHANSHYAM PANDEY
Assistant Commissioner
KVS, RO, Delhi

विद्यालय पत्रिका 2022-23

Mrs Reena Chakravorty	Principal	PATRON
Mrs Sangeeta Aggarwal	Vice Principal	ADVISOR
Mr Sujeet Kumar	Head Master	ADVISOR

संपादक

Mrs Surbhi	PGT English	EDITOR
Ms Neelam Joshi	TGT Hindi	EDITOR
Mr Vijendra Kumar	TGT Sanskrit	EDITOR
Mrs Sunita Rathi	TGT English	EDITOR

छात्र संपादक

Hindi	Sanskrit	English
Aditi Bhatt (IX A)	Priyanshu (VIII A)	Yashkant Dixit (XII A)
Jyoti (VIII C)	Anshika (VIII B)	Harshita (X B)
Sneha Pandey (XB)		Chetanya (IX C)

प्राचार्य का संदेश

" बच्चों को सिखाया जाना चाहिए कि कैसे सोचना है, नहीं की क्या सोचना है।" **मार्गरेट मीड**

मेरे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारा विद्यालय प्रतिवर्ष वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करता है। पत्रिका विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों का दर्पण होती है। विद्यालय में शिक्षण कार्य के साथ-साथ छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अनेक गतिविधियाँ वर्ष पर्यंत चलती रहती है। इस पत्रिका के माध्यम से आप अवगत हो सकेंगे कि विद्यालय में स्काउट और गाइड, खेलकूद एवं विभिन्न कौशलों के विकास के लिए अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रत्येक सप्ताह होता है, जिसमें विद्यार्थी भाग लेते हैं और अपनी प्रतिभा को निखारते हैं।

मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी आगे चलकर प्रबुद्ध, देशभक्त एवं विविध कौशलों से परिपूर्ण सभ्य नागरिक बनेंगे एवं समाज और देश के विकास में अपना यथासंभव सक्रिय योगदान देकर अपने मानव जीवन को सफल बनाएँगे।

प्राचार्य

श्रीमती रीना चक्रवर्ती

संपादिका की कलम से...

विद्यालय का दर्पण- 'विद्यालय पत्रिका' प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों के "मानस सिंधु' की हलचल एवं भावोर्मियों को विभिन्न साहित्यिक विधा रूपी पुष्पों के माध्यम से आपके समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इस से निश्चय ही पाठकों को आनंद की अनुभूति होगी।

हमारे विद्यार्थियों की सृजनात्मकता व कल्पनाशक्ति को जागृत व विकसित करने में जिन अभिभावकों व साथी शिक्षकों ने सहयोग दिया, मैं उनकी आभारी हूँ। प्राचार्य महोदया को मैं हार्दिक धन्यावाद देती हूँ, जिनके स्नेह, कुशल मार्गदर्शन, दृढ़ संकल्पशक्ति व सशक्त प्रेरणा के बल पर इस पत्रिका का प्रकाशन संभव हो पाया है। अंत में मैं सत्यम्, शिवम् व सुंदरम की कामना करते हुए यही कहना चाहती हूँ -

'पत्रिका' का सुंदर इतिहास,
अखिल विद्यार्थी भावों का सत्य।
विद्यालय के हृदय- पटल पर दिव्य-
अक्षरों से अंकित हो नित्य।

डॉ. नीलम जोशी

(हिंदी विभाग)

विद्यालय प्रबंधन समिती
2022-23

SNo	Name	Designation
1	Dr. M. Srinivas	Chairman VMC, Director AIIMS, New Delhi
2	Dr. Anant Mohan	Nominee Chairman VMC, Deptt. Of Pulmonary Medicine, AIIMS , New Delhi
3	Dr. Rajiv Chopra, Principal	Principal , Delhi College of Arts & Commerce
4	Mrs. Archana Kumari	Vice Principal, Navyug School, Laxmi Bai Nagar
5	Mrs. Kavita Dwibedi	Member,Spic Macay
6	Dr. Balkar Singh	Parent Member Deputy Director , Rajya Sabha
7	Mrs. Shabnam Munda	Parent Member
8	Dr Vivek Shankar	Orthopedic Surgeon, AIIMS New Delhi
9	Shri Ramdayal Meena	Director, Ministry of Home Affairs , New Delhi
10	Mr. Bhim Singh	PGT Commerce, KV INA Colony, Teacher Representative
11	Mrs. Reena Chakravorty	Principal and Member Secretary
12	Dr Sanjeev Lalvani	MS, AIIMS New Delhi
13	Mr. Nipun Gupta	Executive Engineer, CPWD New Delhi

पाठ्य सहगामी गतिविधियों की एक झलक

Investiture Ceremony of Student Council 2022-23

Investiture Ceremony (Primary Section)

Celebration of Birth Anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan

Celebration of Swachta Pakhwada (01st to 15th September 2022)

Celebration of Hindi Pakhwada (01.09 to 14.09 2022)

REGIONAL LEVEL

Tritya Charan Testing Camp for Cubs (29.09.2022- 30.09.2022)

Run for Unity- Celebration of Birth Anniversary of Sardar Vallabh Bhai Patel (31st October, 2022)

Vidyalaya as a stay venue for 51st KVS National Sports Meet
BOYS' ATHLETICS (TEN REGIONS OF KVS)

Fancy Dress Competition for the tiny tots on Children's Day

Celebration of Janjatiya Gaurav Diwas
November 15, 2022

Pustakopahar-Gifting of used books to the needy

Tarunotsava - Painting on walls

ELIMINATION OF SINGLE USE OF PLASTIC under AKAM
(4th to 10th October,2021)

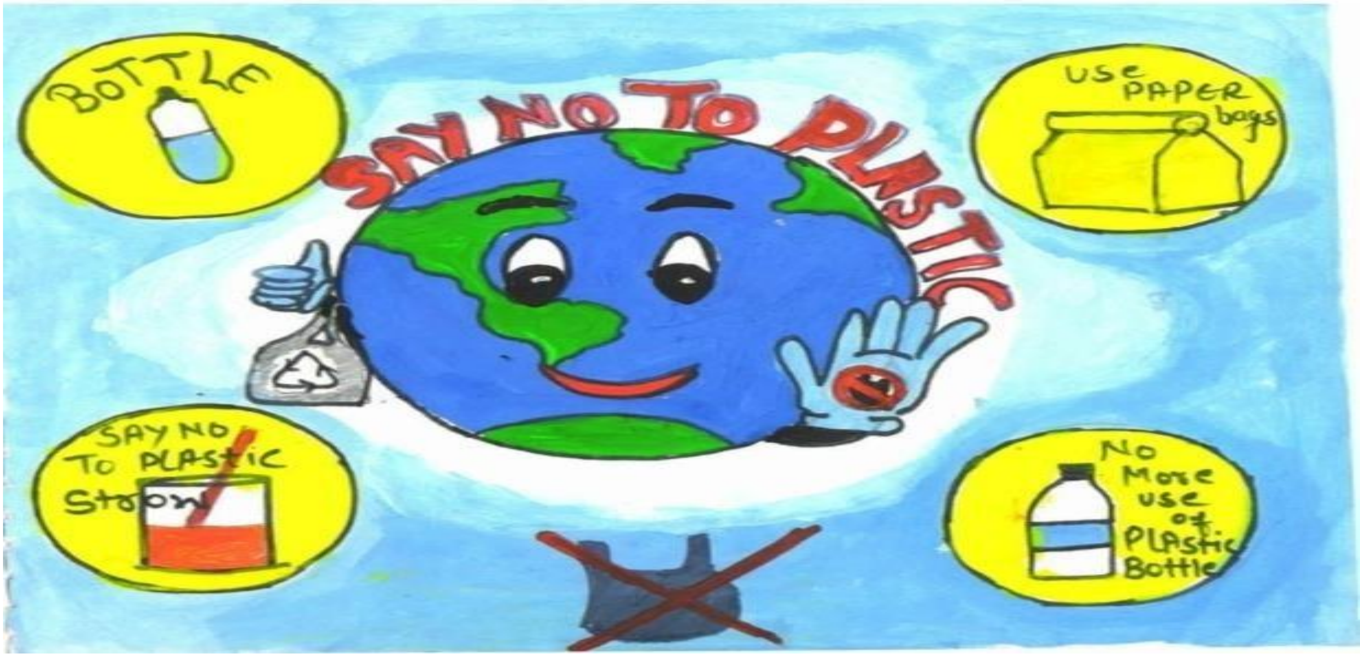

ACTIVITIES UNDER *AZADI KA AMRIT MAHOTSAV*

VEER GATHA PROJECT (21th Oct – 20th Nov, 2021)

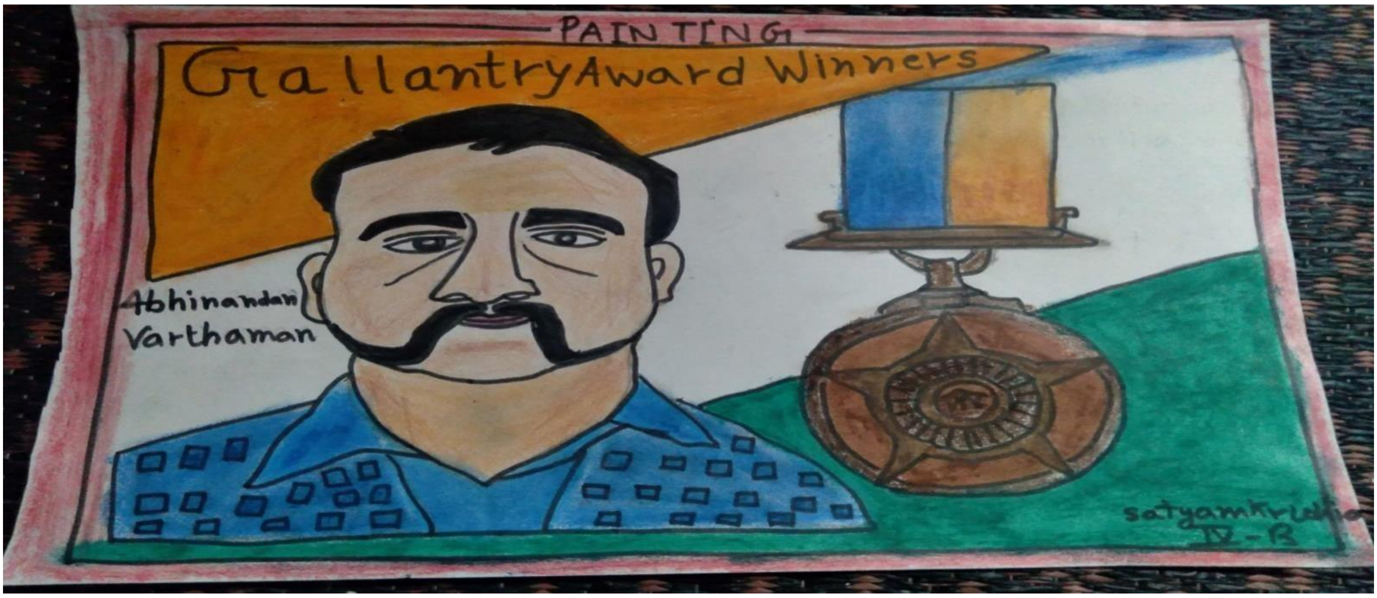

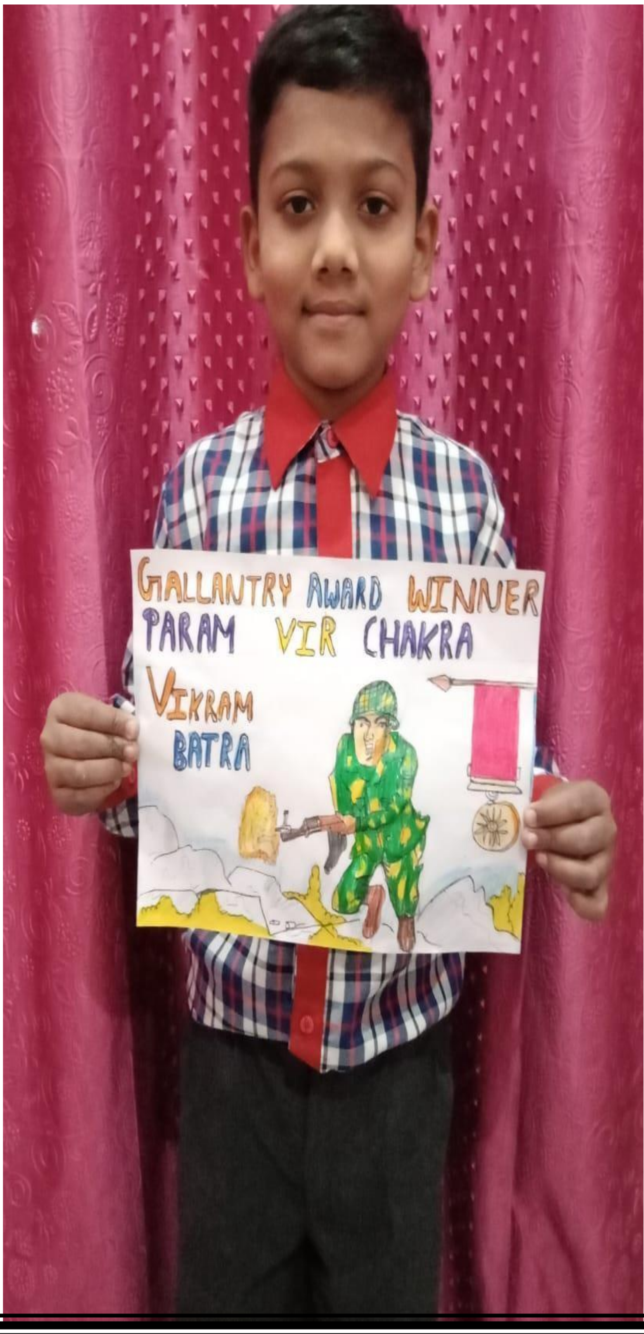

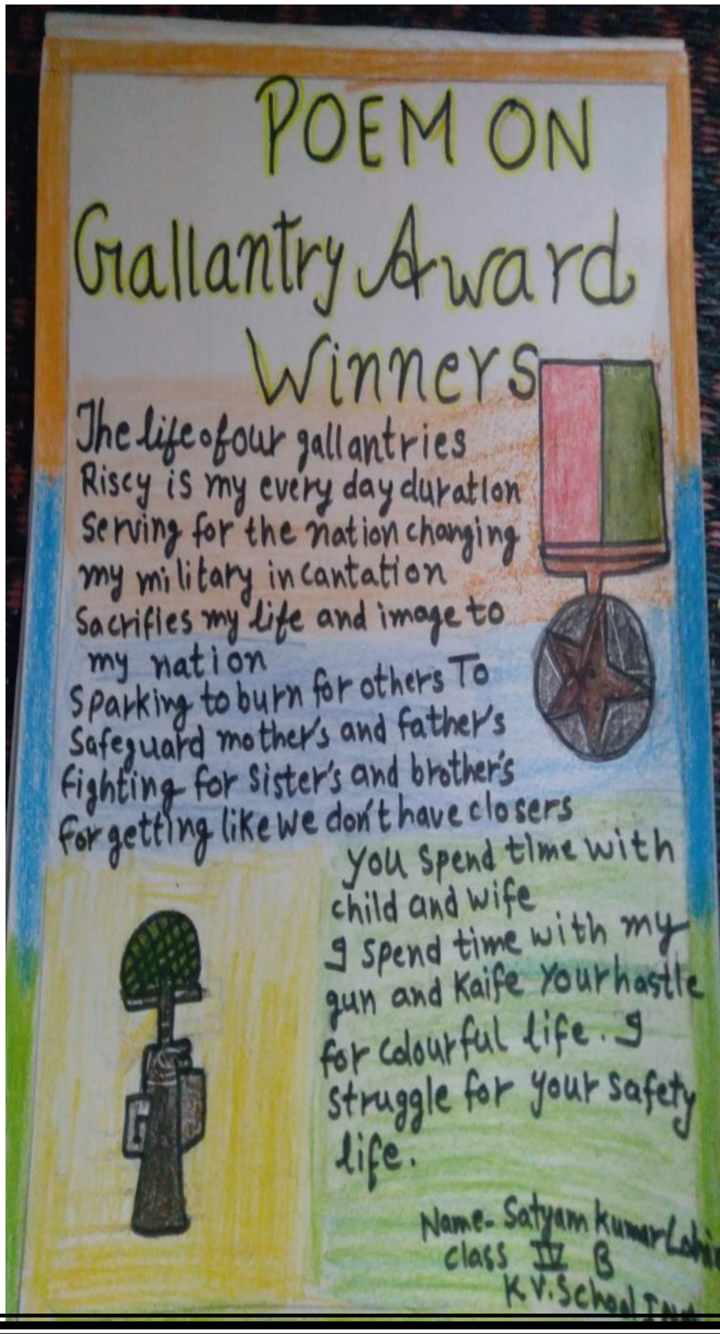

VIGILANCE AWARENESS WEEK under AKAM

26th October to 1st November, 2021

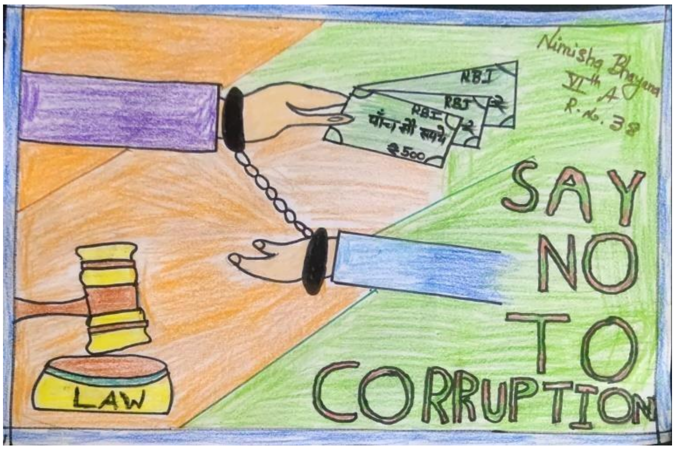

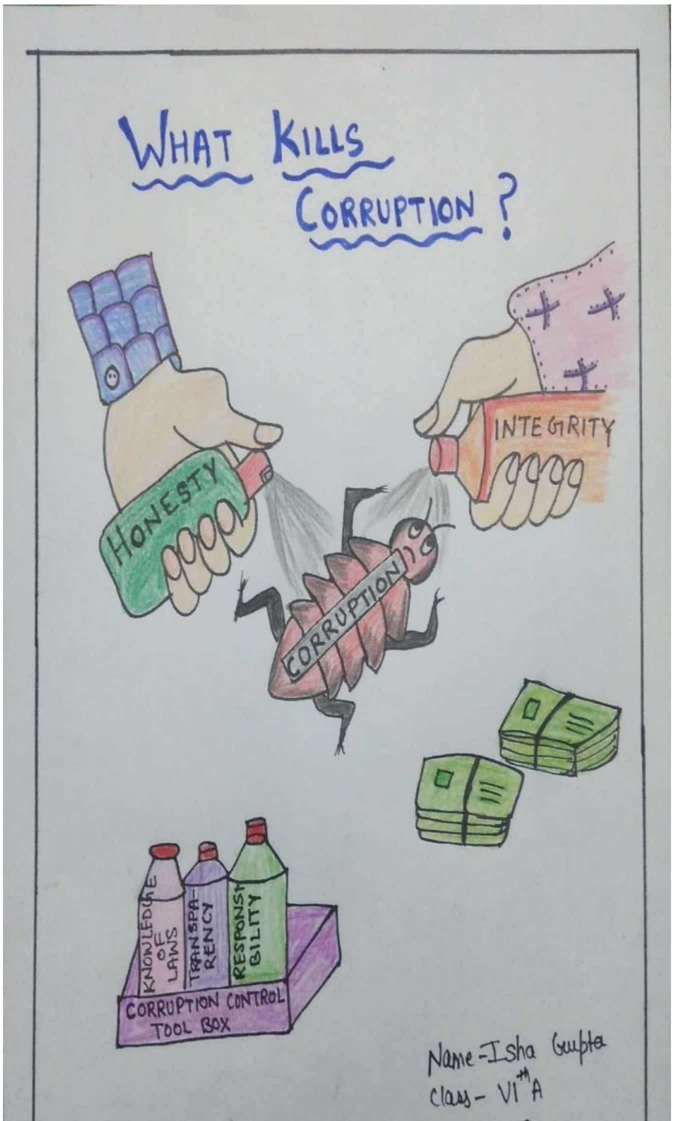

Rashtriya Ekta Diwas (National Unity Day)
29.10.2021

Online Interaction with KV NHPC SINGTAM SIKKIM under EBSB on 30th October, 2021

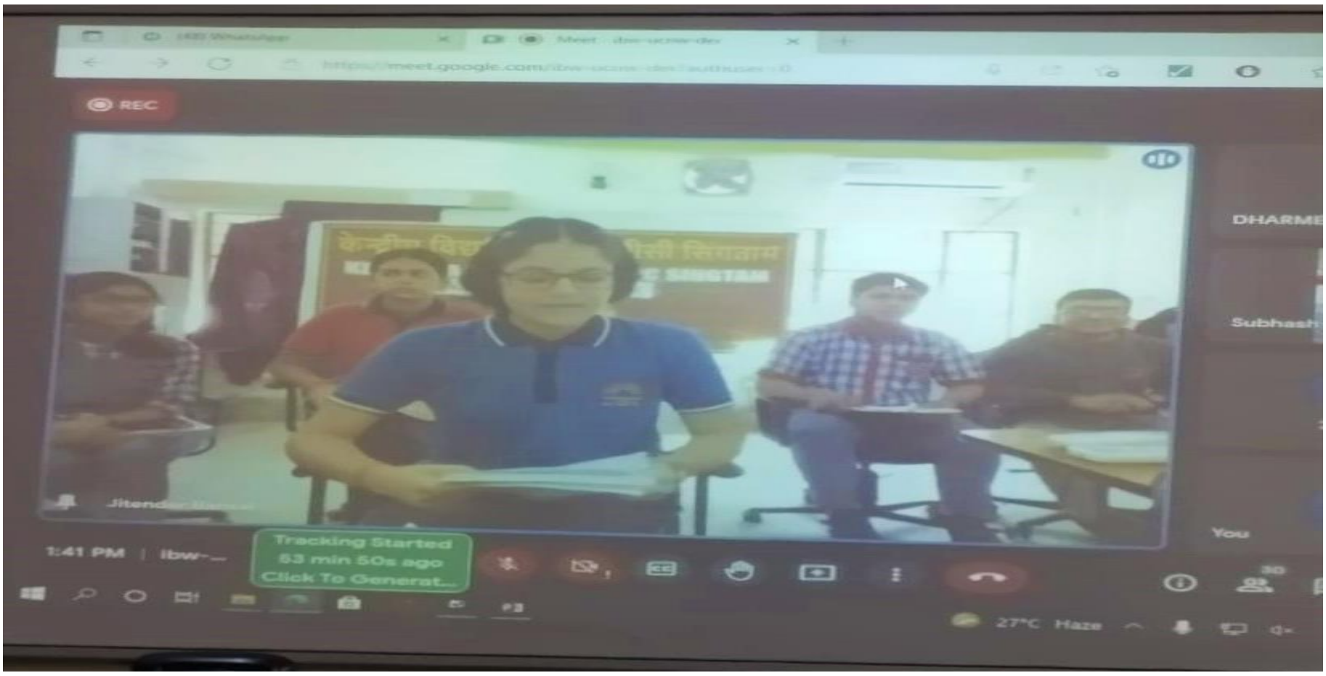

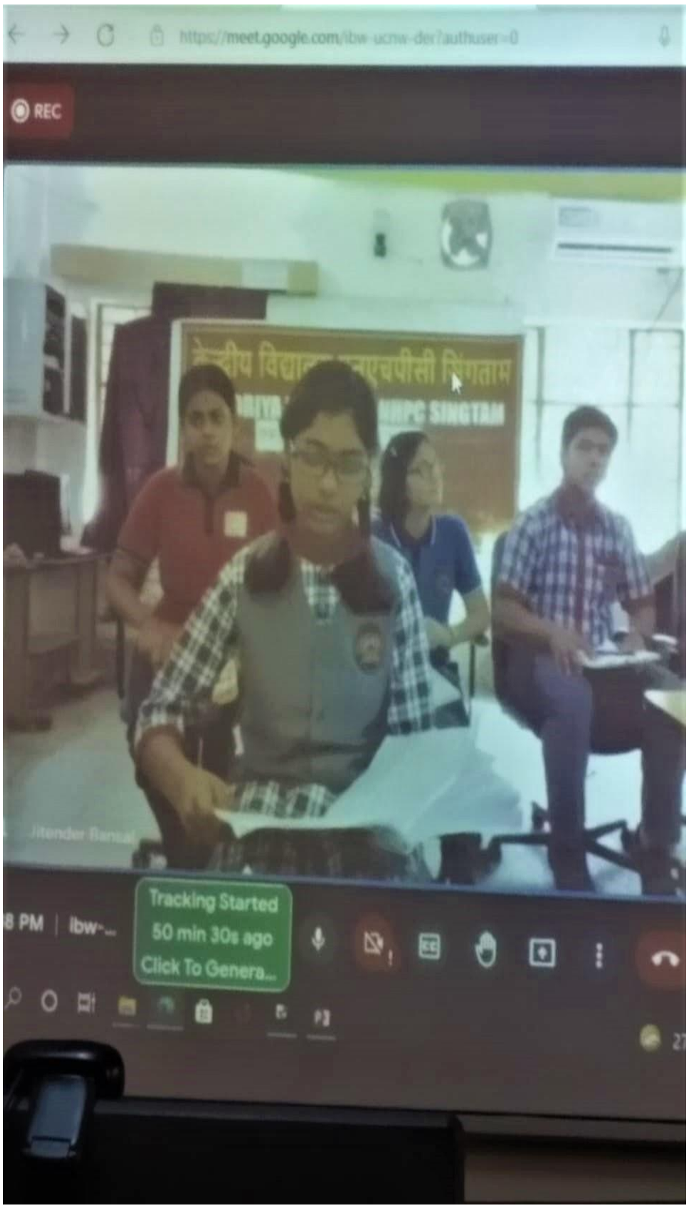

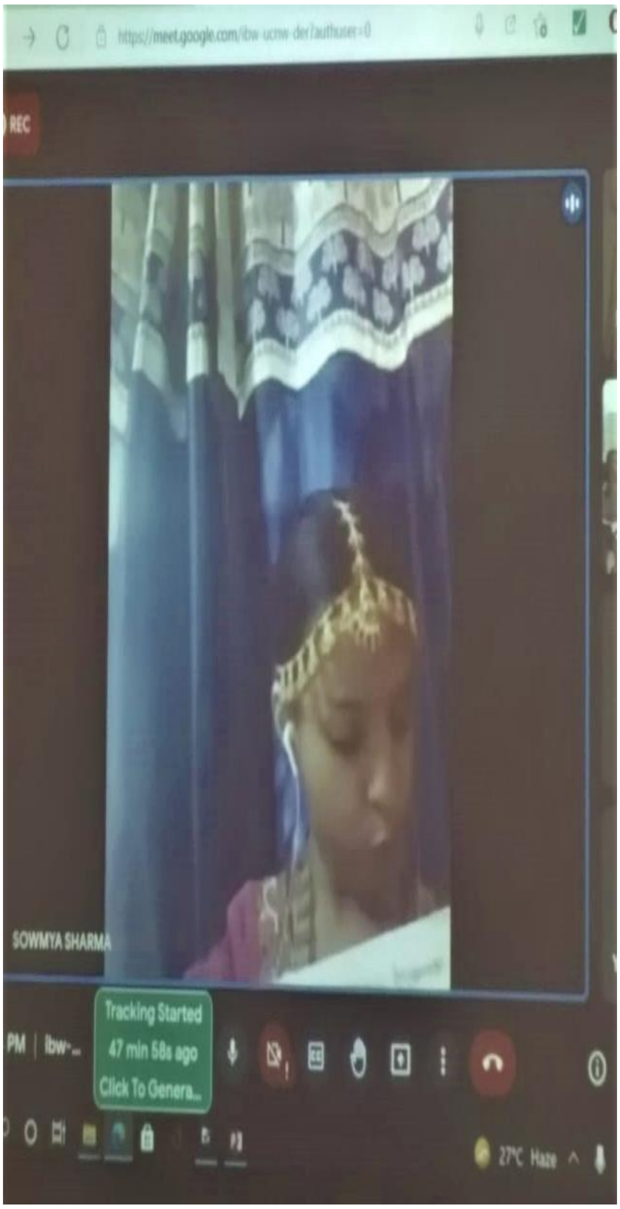

WORKSHOP ON HUMAN TRAFFICKING

02.11.2021

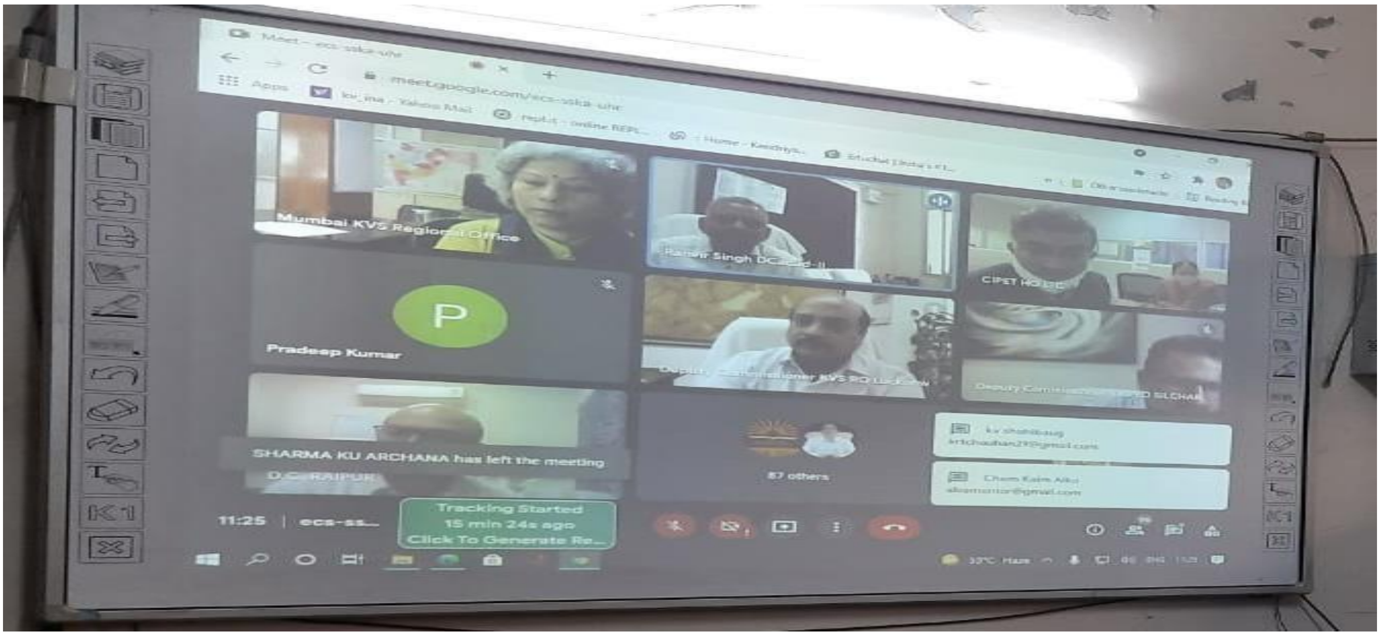

ACTIVITIES UNDER *AZADI KA AMRIT MAHOTSAV*
ICONIC WEEK 17th TO 21th January, 2022

CELEBERATION OF 73RD REPUBLIC DAY

ACTIVITIES UNDER BHARAT SCOUT AND GUIDE

CONDUCT OF PRATHAM SOPAN ONLINE CAMP (30.01.2022)

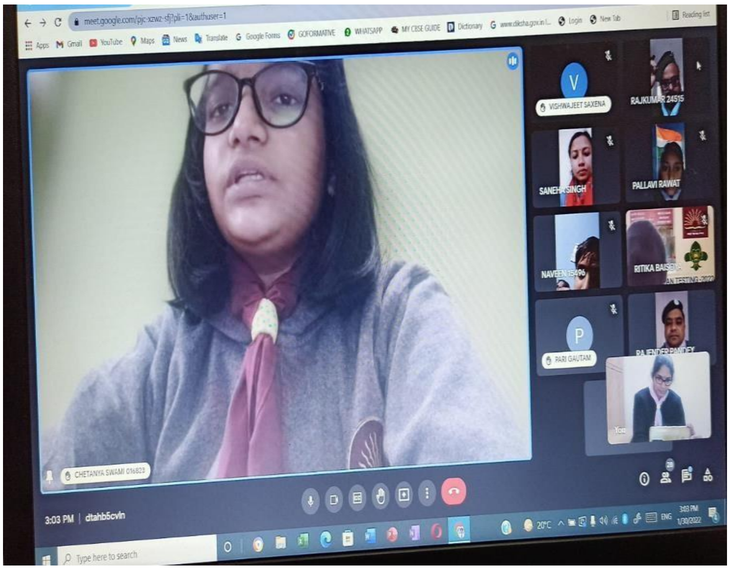

Shree Mishra of class IV bagged First Prize in BAL KALA UTSAV 2021 (A NATIONAL FESTIVAL OF DANCE, MUSIC, DRAMA & ARTS) held on 23rd December 2021

Kiwi Kachhwa of class XI Science won 1st Prize in the Regional Category from North Zone - Solo performance in Bharatanatyam organized by All India VIRSA Competition Routes 2 Roots in 2021-22

R Vedha Varshni of class I won Gold in 600 mts and Silver in 200mts(Skating), and got selected for Nationals. She has represented Delhi State under age group 5 - 7 in the National Event held from 11th – 13th December, 2021

Chetanya of class VII got selected as Writer of the Week in a competition conducted by Writing Hat (https://writing.com)

Who am I?

Chetanya
13 Years
KV INA COLONY
Delhi

Some say that I am kind
And my personality isn't refined
They say that I am amazing
But I hate when they are appraising
They tell me to be myself
But hate when I be
What they want on my soul's shelf
I can never see
People see me as a talkative person
And they really like my assertion
I feel that I am the best
And life's taking a test.
But nobody asked do I really want to talk?
Or I just need a quiet walk
They make do what they want
And I agree as I won't like if they daunt
Wait does that mean I am a people pleaser
And I am not a teaser
Is that good?
Or just a thing everyone does in childhood?
The answer for who I am?
I'll have to cram
People describe me is various ways
I don't know what the right one says
Can someone teach me how to define myself?
That would be a great help
I make sure I don't break a delph
So that I won't have to welp
I have no idea about myself
I keep adding books to my bookshelf
Am I an avid reader then?
Who I am I'll learn one day but I don't know when.

हिंदी विभाग

अनुक्रमणिका

क्रमांक	रचना	रचयिता	कक्षा
1.	ज्ञान की कीमत	मानसी	8-C
2.	पापा	अदिति यादव	7-B
3.	G-20	चैतन्या	8-C
4.	हाय रे! परिक्षा	अदिति भट्ट	9-A
5.	बढ़े चलो	रूद्र पोखरियाल	7-A
6.	पेड़ लगाओ	अल्का यादव	7-B
7.	बेटी	तनिष्क रावत	6-C
8.	एक सवाल	शगुन	7-B
9.	विद्यालय	प्रियांशु	7-B
10.	विनम्रता का परिचय	मनीषा	10-B
11.	भारत	हर्षिता	10-B
12.	काश! जिंदगी एक किताब होती	भूमि	6-C
13.	आर्यभट्ट	राजश्री दास	9-A
14.	जरूरत है	श्री मिश्रा	6-B
15.	मुझे सुबह उठाया है	हार्दिक नेगी	6-C
16.	रामू और उसका घमंड	सूर्यांशी सिंह	7-B
17.	सपनों में रख आस्था	यश सिंह	8-A
18.	आज़ादी	योग्य जिंदल	6-A
19.	ऑनलाइन गेमिंग	कनक भड़ाना	10-B
20.	बेटी	अक्षिता पन्त	7-C
21.	पहेलियाँ	स्नेहा पाण्डेय	10-B
22.	गुड़िया	ईशा गुप्ता	7-A
23.	सुविचार	कनिष्का	6-C
24.	एकाग्रचित्त	ईशानी	8-C

ज्ञान की कीमत

बात उस समय की है जब अकबर भारत का सम्राट था। उसकी सभा में एक दर्शनिक थे, उनका नाम अबू अली था। कहते थे कि लोभ-लालच उन्हें ताउम्र छू भी नहीं सका। एक बार सहारा रेगिस्तान का एक शेख अमीर उनके पास आया और बोला, 'मैं आपके चरणों में बैठकर अध्यन करना चाहता हूं।' अबू ने कहा, 'मैं तुम्हें पढ़ाने के लिए तैयार हूं पर सौ अशर्फी हर माह लूंगा। अमीर व्यक्ति को अच्छा नहीं लगा, फिर भी उसने अशर्फी देने की बात को स्वीकार कर लिया। वह ज्ञान प्राप्त करने लगा। जब शिक्षा पूरी हो गई तो अमीर व्यक्ति ने घर जाने की आज्ञा माँगी। अबू अली ने सौ अशर्फी वापस कर दीं। अमीर हैरान हो गया। अबू ने कहा, 'मैं यह परखना चाहता था, कि तुम ज्ञान की कीमत देने की इच्छा रखते हो या नहीं। वाकई ज्ञान सहज मिल जाता है, पर लोग उसकी कीमत नहीं समझते।

Name - Mansi
Class - VIII C

पापा

मेरे प्यारे-प्यारे पापा,
मेरी दिल में रहते पापा,
मेरी छोटी-सी खुशी के लिए
सब कुछ सह जाते पापा,
पूरी करते हर मेरी इच्छा,
उनके जैसा नहीं कोई अच्छा,
मम्मी मेरी जब भी डाँटे,
मुझे दुलारते मेरे पापा,
मेरे प्यारे-प्यारे पापा।

— अदिति यादव

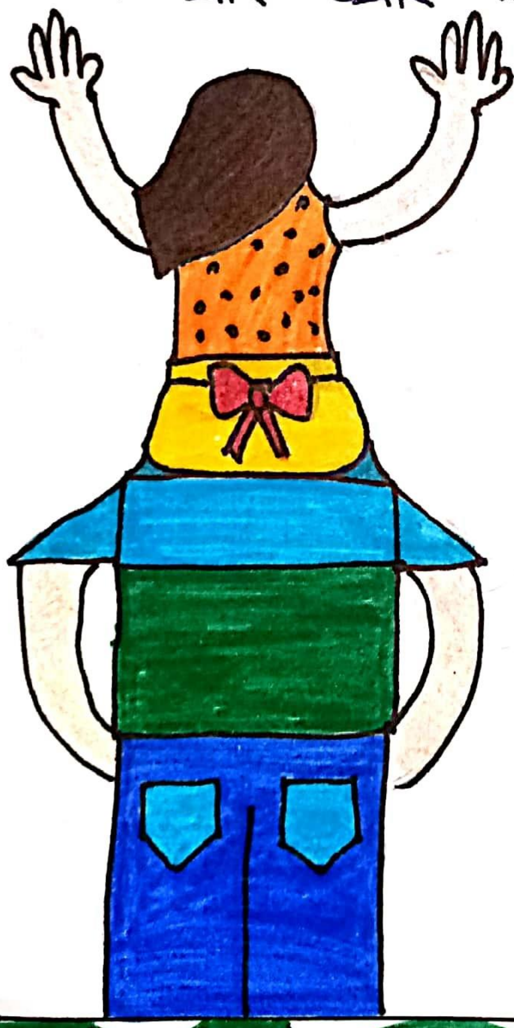

नाम- अदिति यादव
कक्षा- सातवीं 'ब'
रोल न. - ५५

G20

ग्लोबल समस्याओं के हल के लिए
गुणवत्ताओं के संयोजन के लिए
गुणवत्ताओं के तुलना के लिए
G20 एक प्रबल कदम।-

- सभी देशों के प्रति
अनुभवों के प्रति
पूरे विश्व के प्रति
क्षमता का सम्मेलन है G20

व्यापार, निवेश, कर, रोजगार, जलवायु परिवर्तन
सम्पूर्ण दुनिया के प्रतिबद्ध मुद्दों की चर्चा के लिए
हर वर्ष होती है बैठक बीस की बैठक की महत्वपूर्णता
है दुनिया के लिए व्यक्त।-

- वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन
इसका उद्देश्य वित्तीय स्थिरता बढ़ाना
दुनिया के बड़े देशों की समृद्धि की इच्छा
G20 हमारे उदार एवं समृद्ध भविष्य की
निशानी ॥

नाम → चैतन्या
कक्षा → आंठवी 'स'
अनुक्रमांक → ३६

हाय रे! परीक्षा

जिस नाम को सुनने से काँपता है हर बच्चा,
वो है परीक्षा।
परीक्षा का पेपर हाथ में आते ही,
इतना डर लगता है,
कि अच्छा नहीं किया,
तो घर पर पिटना पक्का है।
तीन घंटे में करने होते है लगभग 40 सवाल
एक भी छूटा,
तो घर पर होता है बवाल।
रिजल्ट के एक दिन पहले,
रात को नींद नहीं आती है,
अच्छे नम्बर पाने के लिए,
भगवान की याद आती है।
रखते हैं विद्यार्थी भगवान का व्रत,
अगर फेल हुए तो लगता है, होगा,
"डन्डे से नृत्य"।
पास होने पर मिलता है,
शानदार ईनाम,
और मुख से निकलता है,
"थैंक्यू भगवान"
फिर आती है अगली कक्षा,
तब भी मुख से निकलता है,
"हाय रे परीक्षा"।

अदिति भट्ट
नवमीं 'अ'

बढ़े चलो

फूल बिछे हों या कांटे हों,
राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदायें आयें,
मुख को जरा न मोड़ो तुम।
साथ रहें या रहें न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नहीं कृपा की भिक्छा मांगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक जान बनी हो तन में,
तब तक आगे बढ़े चलो।

रुद्र पोखरियाल
सातवीं 'अ'

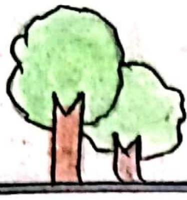

पेड़ लगाओ

धरती की बस यही पुकार,
पेड़ लगाओ बारम्बार।
आओ मिलकर कसम ये खाएँ,
अपनी धरती हरित बनाएं।
धरती पर हरियाली हो,
जीवन में खुशहाली हो।
पेड़ धरती की शान है,
जीवन की मुस्कान है।
आओ पेड़ लगाएं हम,
पेड़ लगाकर जग महकाकर।
जीवन सुखी बनाएँ हम,
आओ पेड़ लगाएँ हम।

Alka Yadav
VII - B

कविता (बेटी)

बेटी एक वरदान है,
बेटी देश की शान है।
ना समझो तुम इसे बोझ,
यही देश का मान है।
हर दु:ख में साथ निभाएगी,
पुत्र का भी कर्तव्य निभाएगी।
बेटी एक वरदान है,
बेटी देश की शान है।
घर में खुशियाँ वो बरसाएगी,
हर दु:ख को दूर भगाएगी।
ना समझो तुम इसे कमजोर,
यह तो झाँसी वाली रानी है।
बेटी एक वरदान है,
बेटी देश की शान है।

तनिष्का रावत
6-C

एक सवाल

आओं, पूछे एक सवाल!
मेरे सर में कितने बाल?
कितने आसमान में तारे?
बतलाओ या कह दो हारे।
नदियाँ क्यों बहती दिन-रात?
चिड़ियाँ क्यों करती है बात?
बिल्ली क्यों चूहे को खाए?
फूल कहाँ से पाते रंग?
रहते क्यों न जीव सब संग?
बादल क्यों बरसातें पानी?
लड़के क्यों करते हैं शैतानी?
नानी की क्यों बिगड़ी चाल?
अजी, न ऐसे करो सवाल!
यह सब ईश्वर की माया है।
इसको कौन जान पाया है?

शगुन
VI - B

Topic...Date..........................

कविता लेखन

विद्यालय

चलो साथियों स्कूल चलो,
चलकर पढाई करना है।
पढ़-लिख कर एक दिन हमको,
भारत माँ का मान बढ़ाना है।।

चीर कर धरती को हमें,
मोती भी ढूंढ लाना है।
पढ़-लिख कर एक दिन हमको,
चाँद पर भी जाना है।।

वक्त नहीं अब लड़ाई का,
भाई-चारा भी फैलाना है।
पढ़-लिख कर एक दिन हमको,
आसमान में तिरंगा लहराना है।।

मिटाकर अशिक्षा को अब,
शिक्षा की अलख जगाना है।
पढ़ लिख कर एक दिन हमको,
धरती को स्वर्ग बनाना है।।

नाम - प्रियांशु
कक्षा - VII, ब
अनुक्रमांक - 25

भारत

अंग्रेज चले गऐ पर
अंग्रेजी का भूत नहीं गया
न जाने, भारत वासियों को
यह आज क्या हो गया?
माता-पिता आज जाने
कहाँ खो गए
उनकी जगह तो आज
मॉम डैड हो गए चाचा-चाची बुआ-फूफा
सब कैन हो गए
आजकल तो सारे
अंकल आंटी के फैन हो गए।
भारत में मित्र नहीं
सब फ्रेंड हो गए
पति बेचारे पतिदेव से
हसबैंड हो गए।
पहले माताजी को प्रणाम
अब हैलो मदर हो गया
छोटा बड़ा भाई भी
हैलो ब्रदर हो गया
सच कहते हो तो अब
अखबार भी मीडिया हो गया
आज अपना भारत भी इण्डिया
हो गया।

INDIA
हो गया

-हर्षिता
-दसवीं 'अ'

Topic: कविता Date: 12/2/2023

काश जिंदगी एक किताब होती !

काश, जिंदगी सचमुच किताब होती
पढ़ सकती मैं कि आगे क्या होगा ?
क्या पाऊँगी मैं और क्या दिल खोयेगा ?
कब थोड़ी खुशी मिलेगी, कब दिल रोयेगा ?
काश जिंदगी सचमुच किताब होती,
फाड़ सकती मैं उन लम्हों को,
जिन्होंने मुझे रुलाया है...
जोड़ती कुछ पन्ने जिनकी यादों ने मुझे हँसाया है...
खोया और कितना पाया है ?
हिसाब तो लगा पाती कितना
काश जिंदगी किताब होती,
वक्त से आँखें चुराकर पीछे चली जाती...
टूटे सपनों को फिर से अरमानों से सजाती
कुछ पल के लिये मैं भी मुस्कुराती,
काश, जिंदगी सचमुच किताब होती।

भूमि

Teacher's Sign ....

आर्यभट्ट

आर्यभट्ट पहले भारतीय गणितज्ञ, भौतिक विज्ञानी और खगोलशस्त्री थे, जिन्होंने अभूतपूर्व सिद्धांत और आविष्कार किए।

आर्यभट्ट का जन्म गुप्त वंश के दौरान बिहार में आर्यभट्ट नामक एक छोटी-सी जगह में हुआ था।

खोज व आविष्कार

- इन्होंने ही शून्य 'O' की खोज की थी।
- पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना इन्होंने ही बताया था।
- आर्यभट्ट ने पाई 'π' के मूल्य पर काम किया जो आज दुनिया भर के वैज्ञानिकों और गणितज्ञों द्वारा उपयोग किया जाता है।
- वह आर्यभट्ट ही थे जिन्होंने त्रिभुज के क्षेत्रफल और गोल के आयतन के सूत्र की खोज की।
- आर्यभट्ट ने ही सौरमंडल के संपूर्ण मॉडल और ग्रहों के घूर्णन और परिक्रमण की अवधारणा की खोज की थी।
- आर्यभट्ट ने ही बताया था कि सूरज स्थिर व धरती चलती है। वरना लोग इसी भ्रम में थे कि इसका विपरीत होता है।
- पहले लोग सोचते थे कि सूर्य तथा चांद्र ग्रहण राहु - केतु नामक दो दानवों की वजह से होता है, पर वह आर्यभट्ट ही थे जिन्होंने इनकी असली वजह बताई थी।

आर्यभट्ट के आविष्कारों और खोजों को उस समय धार्मिक लोगों द्वारा खारिज कर दिया गया था। आज का वैज्ञानिक सामुदाय आर्यभट्ट के आविष्कारों के लिए हमेशा आभारी है।

राजश्री दास
नवीं 'क'

TOPIC .... DATE..............................

क्या जरूरत है -:

जब तुम्हें कोई दुख दिलाए -
तुम्हें सुनने की क्या जरूरत
सुनाने के लिए लोग है ना
ताने हर वक्त सुनने की क्या जरूरत
सुनाने के लिए लोग है ना
आगे चलते वक्त पीछे क्यों आ रहे हो मेरे दोस्त
पीछे आने के लिए है लोग है ना

सपने तुम क्यों तोड़ रहे हो
अपने सपने तो तुमने बुने है
तोड़ने के लिए तो लोग है ना मेरे दोस्त

मेरे दोस्त अपने बुने हुए सपने किसी को तोड़ने मत देना
सिर्फ उन पर थोड़ा सा हँस लेना।

श्री मिश्रा
6th (ब)

Topics :
Date :

कविता

मुझे सुबह उठाया है

आज अम्मी ने मुझे सुबह जल्दी उठाया है,
नहाया और सजाया फिर नाश्ता कराया है।

सुबह से ही वालिद का स्कूटर मैंने तैयार पाया है,
खुशी के साथ थोड़ा अंदाजा मेरा भी हड़बड़ाया है।

बड़ी चाहत से अपना बस्ता मैंने यूँ सजाया है,
और कॉपी किताबों को बड़े करीने से लगाया है।

आज कैसा हो दिन मेरा ये बस ख्यालों का साया है,
मेरे स्कूल जाने का आज पहला दिन जो आया है।।

कवि- हार्दिक नेगी
कक्षा 6 C
रोलनं० 41

Anshdha
THE ORIGINAL NOTEBOOK
Smoother & Brighter Pages
Teacher's Signature

रामू और उसका घमंड

एक आदमी था जिसका नाम रामू था। वह एक अच्छा व्यापारी भी था वह एक छोटे से शहर में रहता था। पर वह घमंडी था। एक दिन बहुत तेज हवा चल रही थी। रामू अपने घर की छत पर घमंड से खड़ा था, तभी एक तिनका आ कर उसकी आँख में पड़ा। उसकी आँख लाल होकर दुखने लगी। वह चिल्लाते हुए नीचे सड़क में आ गया। सारे लोग इकट्ठा हो गए और पूछने लगे, क्या हुआ? उसने बताया कि मैं छत पर खड़ा था। तभी मेरी आँख में एक तिनका आ पड़ा। लोगों ने उसकी मदद की। बहुत प्रयास किया, पर तिनका नहीं निकला। फिर एक आदमी पीछे से आया। वह उसकी आँख में कपड़े की मूँठ देने लगा। तिनका निकल गया। और उसकी आँख ठीक हो गई तभी पीछे से एक आवाज आई, 'ऐंठता तू किसलिए? तेरी अकड़ दूर करने के लिए एक तिनका ही बहुत है!' तब उसे समझ में आया कि घमंड नहीं करना चाहिए।

सीख- हमें कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए।

Name- Suryanshu singh
Class- VII 'B'
Roll no - 33

Date. 12/2/2023 Topic. poem

सपनों में रख आस्था

सपनों में रख आस्था कर्म तू किए जा,
त्याग से ना डर आलस परित्याग किए जा।

गलती कर ना घबरा,
गिरकर फिर हो जा खड़ा।

समस्याओं को रास्तों से निकाल दे,
चट्टान भी हो तो ठोकर से उछाल दे।

रख हिम्मत तूफानों से टकराने की,
जरूरत नहीं है किसी मुसीबत से घबराने की।

जो पाना है बस उसकी एक पागल की तरह चाहत कर,
करता रह कर्म मगर साथ में खुदा की इबाबत भी कर।

फिर देख किस्मत क्या-क्या रंग दिखलाएगी,
तुझको तेरी मंजिल मिल जाएगी, मंजिल मिल जाएगी।

यश सिंह
आठवीं 'अ'
Designer

आज़ादी

पंछी है कैद अगर,
तो उड़ने में कर मदद तू।
रात है काली अगर,
दिया जला कर रोशन कर तू।
बीत गये कई साल रूढ़िवादी विचारों में उलझकर,
सुलझा मन के भाव तू।
औरत, आदमी या हो कोई बच्चा,
सबके जीवन का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी,
आगे बढ़ विजई राह पर।
उन वीरों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर में खोया।
उठ जा तू, छू ले आसमान,
आज़ादी पे है सबका हक।

नाम: योम्य जिंदल
कक्षा: छठी 'अ'

Topic ________ Date ________ Page No. ________

ऑनलाइन गेमिंग

फ़ायदेमंद या हानिकारक ?

आज कल तकनीकी विकास की मदद से मनोरंजन क्षेत्र पूरी तरह बदल चुका है। अब ऑनलाइन गेमिंग का जमाना शुरू हुआ है। जहाँ सेल फोन की मदद से एक बच्चा या आदमी हजारो गेम्स और ओप्स मे से अपना पसंदीदा डाउनलोड करके इस्तेमाल कर सकते है। या पढाई मे उनकी मदद कर सकता है, आज हम जानेंगे इस ब्लॉग के माध्यम से। खेल मनोरंजन के साथ-साथ शारीरिक स्वास्थ्य के लिए भी खेले जाते है चाहे वह बाहर खेले जाने वाले खेल हो या घर मे खेले जाने वाले। एक थका देने वाले दिन के बाद खेल खेलने से दिमाग और मन को शांति मिलती है, और सारी थकान गायब हो जाती है, जो बहुत जरुरी है। लेकिन आज के युग मे ऑनलाइन गेम्स की इंडस्ट्री बना दी गयी है, जहा ज्यादा से ज्यादा कंपनियां लत लगा देने वाली गेम बनाते है, जहाँ मनोरंजन से ज्यादा उपलब्धि और प्रतिस्पर्धा के लिए गेम खेली जाती है। बच्चो मे ऐसे खेलो का बहुत बुरा असर हो सकता है, क्योंकि उनके दिमाग को आसानी से प्रेरित किया जा सकता है। बच्चो मे ऐसे खेलो का बहुत बुरा असर हो सकता है, क्योंकि उनके दिमाग को आसानी से प्रेरित किया जा सकता है। ऐसे मे इन बच्चों मे काफी परेशानियां खड़ी हो सकती है। जैसे - उनका पढाई मे मन न लगना, आलसीपन, परिवार और रिश्तेदारो से दूर हो जाना और उनके दिमाग एवं शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ना। लेकिन मै इसके दूसरे और पहलु को भी देखना चाहूँगी। कई ऑनलाइन खेलों को शुरुवात से ही बच्चो के लिए मददगार होने के लिए बनाया गया है। इन खेलो मे पढाई को मजेदार और रोमांचक बनाने के कारण से बनाया गया है और बच्चों मे कई स्किल पैदा करने का मकसद है। मै बस यही कहना चाहूँगी की बच्चो को एक सही दिशा निर्देश के माध्यम से हम ऑनलाइन खेलो के फायदे भी ले सकते है, बस उनके सही उपयोग को जानने एवं अपनाने की जरुरत है।

कनक भड़ाना
X–B

Teacher's Sign. ________

पेहेलियाँ

- वह कौन है जो कितना भी बूढ़ा हो जाए जवान कहलाता है?

⇒ देश का जवान (सैनिक)

- वह कौन-सा दान है जो अमीर और गरीब दोनो करते हैं?

⇒ मतदान

- खुली रात में पैदा होती, हरी घास पर सोती हूँ, मोती जैसी सूरत मेरी, बादल की मैं पोती हूँ, बताओ क्या?

⇒ ओस की बूँद

- रंग है मेरा काला, उजाले में दिखाई देती हूँ, अँधेरे में छिप जाती हूँ?

⇒ परछाई

- ना करता लड़ाई फिर भी मेरी रोज़ होती पिटाई बताओ क्या?

⇒ ढोल

- उछले, दौड़े, कूदे दिनभर, यह दिखने में बड़ा ही सुंदर, लेकिन नहीं ये भालू-बंदर। अपनी धुन में मस्त कलंदर, इसके नाम में जुड़ा है रन, घर है इसके सुदर बन, बताओ कौन?

⇒ हिरण

नाम - स्नेहा पाण्डेय

कक्षा - X - B

गुड़िया

मेले से लाया हूँ इसको
छोटी सी प्यारी गुड़िया,
बेच रही थी इसे भीड़ में
बैठी नुक्कड़ पर बुढ़िया।
मोल-भाव करके लाया हूँ
ठोक-बजाकर देख लिया,
आँखें खोल मूँद सकती है
वह कहती है पिया-पिया।
जड़ी सितारों से है इसकी
चुनरी लाल रंग वाली,
बड़ी भली हैं इसकी आँखें
मतवाली काली-काली।

ऊपर से है बड़ी सलोनी
अंदर गुदड़ी है तो क्या?
ओ गुड़िया तू इस पल मेरे
शिशुमन पर विजयी माया।
रखूँगा मैं तुझे खिलौनों की
अपनी अलमारी में,
कागज़ के फूलों की नन्हीं
रंगारंग फुलवारी में।
नये-नये कपड़े-गहनों से
तुझको रोज़ सजाऊँगा,
खेल-खिलौने की दुनिया में
तुझको परी बनाऊँगा।

ईशा गुप्ता
VII-अ

सुविचार

नाम : कनिष्का
कक्षा : 6-C
अनुक्रमांक : 40

शिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है
जिसका उपयोग आप
दुनिया को बदलने के लिए कर सकते हैं।

★★★★★★

शिक्षा वह नींव है जिस पर हम
अपने भविष्य का निर्माण
करते हैं।

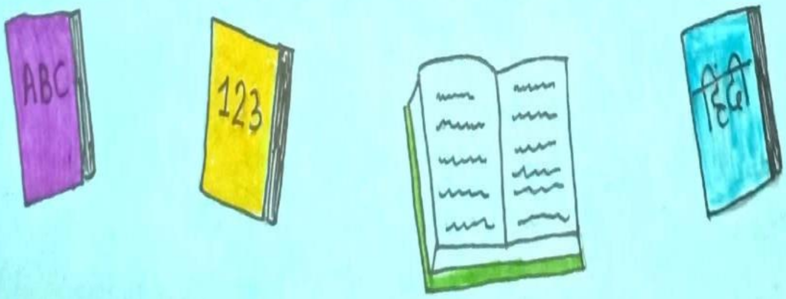

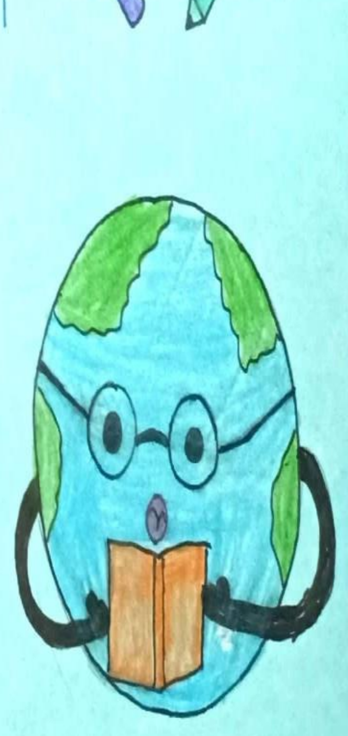

Scanned with CamScanner

संसाधनों का संरक्षण

संसाधन संरक्षण आज की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि ज़रूरत बन गई है। संसाधन प्रकृति द्वारा प्रदत्त होते हैं, जोकि प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त होते हैं, जैसे कि हवा, पानी, नदियाँ, समुद्र, मिट्टी, जंगल, पेड़-पौधे इत्यादि। कुछ संसाधन प्रकृति द्वारा परोक्ष रूप से प्राप्त होते हैं और मनुष्य इन्हें अपने उपयोग लायक बनाता है। कुछ संसाधन अपरिवर्तनीय होते हैं जो उपयोग होने के बाद एक चक्र द्वारा पुनः निर्मित होकर नए रूप में आते हैं, पर कुछ संसाधन ऐसे हैं जिनका उपयोग केवल एक बार किया जा सकता है ऐसे संसाधन संसार में सीमित मात्रा में हैं। इन संसाधनों को बनने में लाखों वर्ष लग जाते हैं। प्राचीन समय में विश्व में मनुष्य की आबादी कम थी और मनुष्य संतुलित और संयमित जीवन जीता था, जिस कारण वो इन संसाधनों का दोहन सीमित मात्रा में करता था। आज विश्व की आबादी बढ़ चुकी है, पर संसाधनों की मात्रा उतनी ही है, इस कारण संसाधनों पर अत्यंत बोझ आ गया है। लोगों ने संसाधनों के दोहन को भी बढ़ा दिया है। समय की माँग है कि मनुष्य अपनी इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाए और संसाधनों के संरक्षण पर ध्यान दे, ताकि वो लंबे समय तक उसका प्रयोग कर सके। अगर मनुष्य समय पर नहीं चेता तो इन संसाधनों को शीघ्र खत्म होते देर नहीं लगेगी। तब चारों तरफ़ हाहाकार मच जाएगा और मनुष्य का अस्तित्व भी संकट में पड़ सकता है।

अपने पर्यावरण को, मिलकर स्वच्छ बनाएँ,
आओ सभी संसाधन बचाएँ।

नाम ⇒ स्नेहा पाण्डेय
कक्षा ⇒ दसवीं ब

संस्कृत
विभाग

संस्कृतम्

अंह पठामि संस्कृतम् ।
अंह वदामि संस्कृतम् ।
ललितमेव संस्कृतम् ।
मधुरमेव संस्कृतम् ।
अतुलमेव संस्कृतम् ।
अनघमेव संस्कृतम् ।
अमृतमेव संस्कृतम ।
अंह नमामि संस्कृतम् ।

Piyush Rajoriya
Class - VI - C

कालीदासो
जने – जने गीत

नाम → नांदनी खरा

कक्षा → 8th A

अनुक्रमांक → 15

कालीदासो जने - जने ।
कण्ठे कण्ठे संस्कृतम ॥

ग्रामे-ग्रामे नगरे-नगरे ।
गेहे-गेहे संस्कृतम ॥

मुनिजनवाणी कविजनवाणी ।
बुधिजनवाणी संस्कृतम ॥

सरला भाषा मधुरा भाषा ।
दिव्या भाषा संस्कृतम ॥

मुनिजनवाञ्छा बुधिजनवाञ्छा ।
बुधिजनवाञ्चा संस्कृतम ॥

जने जने रामायण चरितम ।
प्रियजनभाषा संस्कृतम ॥

स्थाने स्थाने भारतदेशे ।
सदने - सदने संस्कृतम ॥

Title ______ Date ______ Page No. ______

संस्कृत-प्रहेलिका:

1. नात्र फलं वा खादामि न पिबामि जलं किंचित
चलामि दिवसे रात्रौ, समय बोधयामि च |

उत्तर - घटी

2. विष्णों का बल्लभा देवी लोकस्थितयचारिणी
वर्णवादिस्तमों दत्वा कः तुल्यवाचकः

उत्तर - समानस

3. "न तस्यादिः न तस्यान्तः मध्ये यः तस्य तिष्ठति |
तवाप्यास्ति ममाप्यास्ति यदि जानासि तद्वद ||"

उत्तर - नयन

4. मेघश्यामोऽस्मि नो कृष्णो, महाकायो न पर्वतः |
बलिष्ठोऽस्मि न भीमोऽस्मि, कोऽस्म्यहं नासिकाकरः

उत्तर - हाथी

5. एकाकी द्वारी तिष्ठामि गृहपतौ बहिर्गते |
गृहरक्षाकरः शूरो लघुमूर्तिः सुकीर्तिमान् ||

उत्तर - ताला (तालः)

Hanshika
8th-C
10

संस्कृत

संस्कृत के कवियों एवं लेखकों की रचनायें :-

महाकाव्य

रचनायें		लेखक
1) रामायणं (7 काण्ड)	-	महर्षि वाल्मीकि
2) महाभारतं (18 पर्व)	-	वेदव्यास
3) रघुवंशम् (19 सर्ग)	-	कालिदास
4) सौन्दरनन्द (18 सर्ग)	-	अश्वघोष
5) सेतुबन्ध:	-	प्रवरसेन
6) रामचरितं	-	अभिनन्द
7) सेतुकाव्य:	-	मातृगुप्त
8) राजतरङ्गिणी (8 तरंग)	-	कल्हण

NAME - BHUMI CLASS - VII-C ROLL NO. - 5

DELTA Designer

वृक्षाः

वने वने निवसन्तो वृक्षाः ।
वनं वनं रचयन्ति वृक्षाः ।।
शाखादोलासीना विहगाः ।
तैः किमपि कूजन्ति वृक्षाः ।।
पिबन्ति पवनं जलं सन्ततम् ।
साधुजना इव सर्वे वृक्षाः ।।
स्पृशन्ति पादैः पातालं च ।
नभः शिरस्सु वहन्ति वृक्षाः ।।
पयोदर्पणे स्वप्रतिबिम्बम्
कौतुकेन पश्यन्ति वृक्षाः ।।
प्रसार्य स्वच्छायासंस्तरणम् ।
कुर्वन्ति सत्कारं वृक्षाः ।।

दिक्षा कुमारी
कक्षा - 6-स

Topic ______ Page No. ______ Date ______

कस्य किम् आभूषणम् ?

1. दिनस्य आभूषणम् – रविः
2. निशाया आभूषणम् – चन्द्रः
3. नरस्य आभूषणम् – ज्ञानम्
4. नारीणाम् आभूषणम् – लज्जा
5. मुखस्य आभूषणम् – सुवाक्
6. हस्तस्य आभूषणम् – दानम्
7. कर्णस्य आभूषणम् – श्रवणम्
8. सज्जनानाम् आभूषणम् – परोपकारः
9. छात्राणाम् आभूषणम् – अध्ययनम्

संकलनम्

नाम – कपिल

[illegible] – [illegible]

NOOTAN

संस्कृत के प्रमुख महाकाव्य

महाकाव्य	रचीयता	सर्ग	श्लोक	रस
रघुवंशम्	कालिदास	19	1569	शृंगार
बुद्धचरितम्	अश्वघोष	28	1096	शांत
सौंदरानंद	अश्वघोष	18	1096	शांत
कुमारसंभव	कालिदास	17	1096	शृंगार
किरातार्जुनीयं	भारवि	18	1030	वीर
शिशुपालवधं	माघ	20	1650	वीर
नैषधीयचरितं	श्रीहर्ष	22	2830	शृंगार
रावणवधम्	भट्टि	22	1624	शृंगार
जानकीहरणं	कुमारदास	25	1624	शृंगार
हरविजय	रत्नाकर	50	4321	शृंगार
राघव-पांडवीय	माधवभट्ट	13	668	वीर

नाम: प्रियांशु भारद्वाज
कक्षा: आंठवी - अ
अनुक्रमांक : 35

Topic.................. Date..................

एहि एहि वीर रे

एहि एहि वीर रे
वीरतां निधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय
जीवनं प्रदेहि रे ॥

त्वं हि मार्गदर्शकः
त्वं हि देशरक्षकः
त्वं हि शत्रुनाशकः
कालनागतक्षकः ॥

साहसी सदा भवेः
वीरतां सदा भजेः
भारतीयसंस्कृतिं
मानसे सदा धरेः ॥

पदं पदं मिलच्चलेत्
सोत्साहं मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
सर्वदा जयो भवेत् ॥

Topic ______ Date 20/08/23

सदैव पुरतो निधेहि चरणम्

चल चल पुरतो निधेहि चरणम्।
सदैव पुरतो निधेहि चरणम्॥

गिरिशिखरे ननु निजनिकेतनम्।
विनैव यानं नगारोहणम्।
बलं स्वकीयं भवति साधनम्।
सदैव पुरतो निधेहि चरणम्॥

पथि पाषाणाः विषमाः प्रखराः।
हिंस्राः पशवः परितो घोराः॥
सुदुष्करं खलु यद्यपि गमनम्।
सदैव पुरतो निधेहि चरणम्॥

जहीहि भीतिं भज-भज शक्तिम्।
विधेहि राष्ट्रे तथाऽनुरक्तिम्।
कुरु कुरु सततं ध्येय-स्मरणम्।
सदैव पुरतो निधेहि चरणम्॥

श्रीधरभास्कर वर्णेकर
(राष्ट्रवादी कवि)

संकलनम्

Keshav Rajput..
Class 8th A
Roll no - 24

Topic .... Date 20-AUG-2023

संस्कृत गीत

(चटका, चटका)

चटका, चटका, रे चटका
चिँव, चिँव कुजसि त्वं विहगा ॥

नीडे निवससि सुखेन इयसे
खादसि फलानि मधुराणि।
विहरसि विमले विमले गगने
नास्ति जनः खलु वारयिता ॥

चटका, चटका, रे चटका
चिँव, चिँव कुजसि त्वं विहगा ॥

मातापितरौ इह मम न स्तः
एकाकी खलु खिन्नोऽहम्।
एहि समीप चिँव चिँव मित्र
ददामि तुभ्यं बहुधान्यम् ॥

चटका, चटका, रे चटका
चिँव, चिँव कुजसि त्वं विहगा ॥

अंश गुप्ता
कक्षा :- 6 'ब'

Teacher's Signature ____________

BLUE Panda

संस्कृत गीत

देवि देहिनो बलं, धैर्य वीर्य संबलं
राष्ट्र मान वर्धनाय, पुण्य कर्म कौशलं
पुण्य कर्म कौशलं ॥ देवि देहि ॥

चण्ड मुण्ड नाशिनी, ब्रह्म शांति वर्षिणी
तेजोसाते जात नाश, आसु दु:ख यामिनिं
भातु धर्म भास्करं, सत्य शौर्य भास्वरं
आर्य शक्ति पुष्टमस्तु, भारतम् निर्गलम्
भारतम् निर्गलम् ॥ देव देहि ॥

देवि देहिनो बलं, धैर्य वीर्य संबलं
राष्ट्र मान वर्धनाय, पुण्य कर्म कौशलं
पुण्य कर्म कौशलं ॥ देवि देहि ॥

साधुवृन्द पालिके, विश्व धात्रि कालिके
दैत्य दर्प ताप शाप, कालिके करालिके
रक्ष आर्य संस्कृतिं, वर्धयार्य संहतिं
वेदमंत्रपुष्टमस्तु, भारतम् समुत्तुलम्
भारतम् समुत्तुलम् ॥ देवि देहि ॥

देवि देहिनो बलं, धैर्य वीर्य संबलं
राष्ट्र मान वर्धनाय, पुण्य कर्म कौशलं
पुण्य कर्म कौशलं ॥ देवि देहि ॥

मिशिका खत्री
6th A

संस्कृत गीत- शक्तिसम्भृतं

शक्तिसम्भृतं युक्तिसम्भृतं,
शक्तियुक्तिसम्भृतं भवतु भारतम्,
भारतं भारतं भवतु भारतम् ॥

शस्त्रधारक शास्त्रधारक,
शस्त्रशास्त्रधारक भवतु भारतम्,
भारतं भारतं भवतु भारतम् ॥

रीतिसंस्कृतं नीतिसंस्कृतं,
रीतिनीतिसंस्कृतं भवतु भारतम्,
भारतं भारतं भवतु भारतम् ॥

कर्मनैष्ठिकं धर्मनैष्ठिकं,
भारतं भारतं भवतु भारतम्,
भारतं भारतं भवतु भारतम् ॥

भक्तिसाधकं मुक्तिसाधकं,
भक्तिमुक्तिसाधकं भवतु भारतम्,
भारतं भारतं भवतु भारतम् ॥

प्रकृती वर्मा
कक्षा - छठी (स)

ENGLISH CORNER

Technology - A Boon or Curse?

Lonely people in crowded rooms,
Others exist, they're not knowing.
headphones , something's on,
Where are the people going?
no one bows for the olds,
we are bowing for our phones.
are we aware of the direction we are going ?

It brought us closer,
Then made us distant,
It ~~made~~ gave us knowledge,
but created difference.
It simplified tasks,
to make life difficult.
we see the bright side.
but dark is disregarded.
It's a blessing in disguise
but a newly born addiction.
if we aren't in control,
Tech is not a good friend.

~ Anushka

Name - Anushka Choudhary
Class - X Sec - C

A Book

Books

Marks are not precious, my friend
But your hardwork is important.
And you, are a gem.
No need to worry, my
friend, You have a book friend!

A book is a thing, that you
cansee and read every single
time.
My friend never loose
hope that will break up you
And never stop learning, that
will stop knowledge of you

x

Hope, Hardwork

is a key to,
'Success'

Shree Mishra
VI - B 35

MONEY

We can buy books by this
But can we buy education?
We can buy watch with this
but can we
buy time?
Money is a key to medicine,
But can it open the gate of health?
Money can provide us with the
Things of comfort,
But can it give us peace??
Can we buy respect & talent with
this?
Can we control death with this?
It's for sure,
That every one's answer will be
"No"
So money is something But
stop considering it as
"everything"

→Harshita
→8 'A'

Page No. ______

Title ______ Date ______

Never Give Up

If I made a mistake,
then I would have to retake,
and do it once again,
even feel the pain.

But there also lays a prize,
and that made me realize that,
even if I was to fail,
It would be a learning trail.

If I hope for medals and cup,
I can't just rely on luck,
I must do hardwork,
to show the world my worth.

That's the essence of never giving up!

Name - Mahi
Class - X[th] A
Roll no. - 13

DELTA® Designer

Mom, I Love You!

Mom, I love you
For all that you do.
I'll hug you and kiss you
because you love me too!
You feed me and need me
To teach you to play.
So smile because I love you,
On this Mother's Day!

Palchhine Rana
VIII 'B'

Teachers

You are the One
You are the hero
You have the Knowledge
You have the patience

You are the medicine
who can erase the scars
You are the stars,
giving us light

From the bottom of my heart
Thankyou for teaching us
for a great life.

- Surjyanshu
Nayak
IX B

Gender Equality

Women or men we can ignore none
As both are important Moon and Sun

How can we put any one on blame
Don't we have the shame

She is a daughter, sister and mother
Why would only she suffer

He is also a son, brother and father
Why would even he suffer

Why do we differentiate between he and she
If God didn't then why do we

It is your best quality
If you believe in equality

Ayushi Kanwat
8 B

Topic Date

Life Is A Journey

Life is a journey,
Filled with ups and downs
But no matter what,
Never let your spirit drown

When times are tough, and you feel alone
Just remember—
You are stronger,
Than you've ever known.

You have the power, to overcome any fear,
Just close your eyes, and visualise your future clear.
Have the determination, the drive and the heart,
And don't let anyone tell you, you'll never play a part.

In this world filled with endless possibilities,
You have the potential to achieve your dreams
So, don't give up, no matter how hard it may seem
Have the courage, to chase your dreams and gleam.

: Chetanya
IX 'C'

Citizen Prime

...Our Motherland...

The land of diversity,
Where people live in harmony.
Different cultures and customs,
And different caste and religion

Our history today tells us all,
About great leaders & freedom fighters 's sacrifice,
Who all were very wise.
Our country was protected,
Because they protested.

The Himalayas have worn a crown
Giving birth to some of the greatest rivers,
As well as countless towns.
The atmosphere here is filled with serenity
Creating a nature that is very pretty!

Name - Archana Thakur
Class - 9th - B

Article On Education

Education is a powerful weapon that aids an individual to face the adversities of life and overcome societal stigmas such as poverty, fear, status to achieve success. Education is the hope of development and success for most third - world countries and the world's dominion countries.

Mandatory education builds the scope of better growth and development. Education is an important part of human life. Education gives meaning to our life as it enables the growth and development of our mind and intellect. An educated society is an enlightened and empowered one. Such a society can make well-informed choices in its social, political and economic welfare.

SAMIKSHA
VIII — B

PATIENCE

- Patience plays a crucial role in focussing the long-term Objectives in a person's life.
- It helps a person to make Choices that are rational instead of emotional. Persistence Comes with Patience.
- A patient person is likely to attract more people to listen to fall short in an impatient Person.
- Being patient allows one to gain better mental Condition as opposed to others.
- It also helps people to become better physically as a patient person is likely to have optimistic thoughts.
- Kindness is a trait that patient people have in Common. Being kind helps you to feel better about yourself too. It helps one to achieve peace and not to be discontented.

Embracing the Journey of Learning

This poem is about Joys of Learning and the pursuit of knowledge

Mathematics equation, puzzles to solve,
Science experiments, mysteries to evolve
History's tales, unfolding the past
Literature's gem, where imagination is cast

Languages we learn, unlocking new door,
Art and music, creating soars.
Geography's maps, exploring the Earth,
Physical education, staying fit with mirth.

With dedication, we expand our minds,
Curiosity, the fuel that binds.
Challenges embraced, obstacles overcome
In the pursuit of wisdom, we've never done.

A stepping stone on the way,
To a future bright with each passing day
So, let's cherish these studies, hold them tight
For they'll shape our future, shining so bright.

Shalini Anand
IX B

Topic..Date...................................

FAILURES ARE THE PILLARS OF SUCCESS

Failures are like bricks which when put one on the other build the Pillar of success. Full value and significance of success in life can be realised only when we have reached there after - climbing the steps of failures. Blessed are those that failed because only then they could come to know the importance of success. Failures symbolise hardships, misfortunes, trials and tribulations Grappling with these at the length overpowering them makes a man hardy and more determined. Initial failures will not be able to cow down such a man. Constant and continuous efforts will crown such a man with glorious success one day. The best example in this respect is of King Robert Bruce of Ireland. He failed seven times in his efforts to free his country from foreign rule but did not lose heart. He tried the eighth time and succeeded. Thus failures are the Pillars of success.

Ananya Kaushik
IX^th^-A
(27)

Teacher's Sign.................

ADVENTURE IN SRINAGAR

Rs 2000 Per night

Camping

Rs 100 Per hour Ski

Rs 200 each

Mountainer swing

Boating Rs 120 per hour

Swimming Rs 99 Per hour.

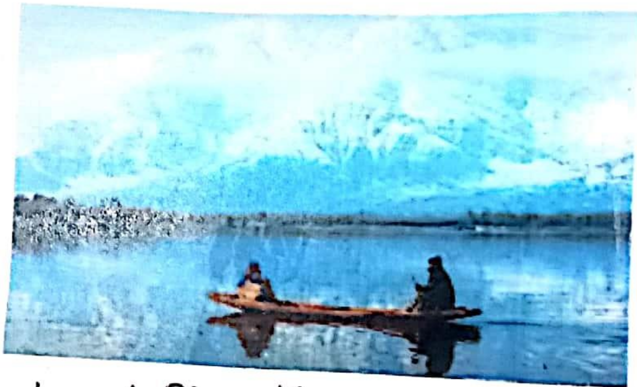

Local Boating Rs 50.

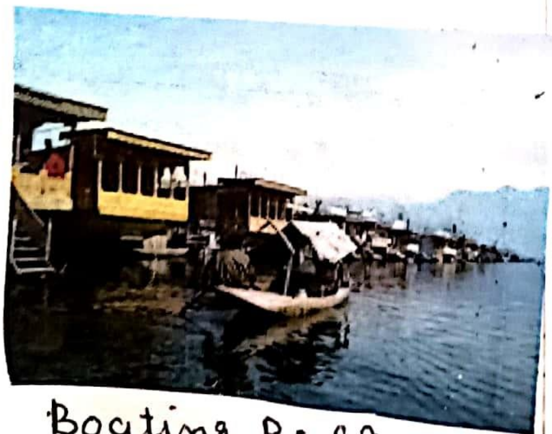

Boating Rs 99.

fishing Rs 500

Expensive food

In Srinagar there is lots of Resturants. & their signature Dishes

Rs 550 Per Plate

Rs. 780 Per Plate

Rs 110 Per

Rs 950 Srinagar Thali

Local food

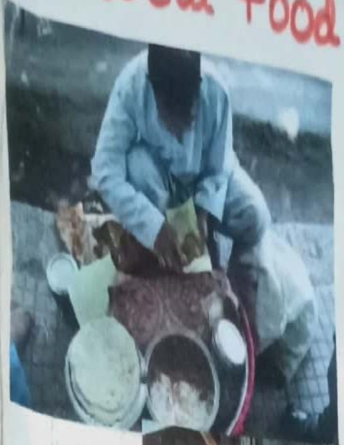

Rs 50.

Rs 25

Rs 30

Rs 55

Rs 100 Thali

CLOTHES

Rs 500

Rs 100

Scanned with CamScanner

Chit-Chat

with

ChunChun & MunMun

Submission for
Sustainable Developmental Goals

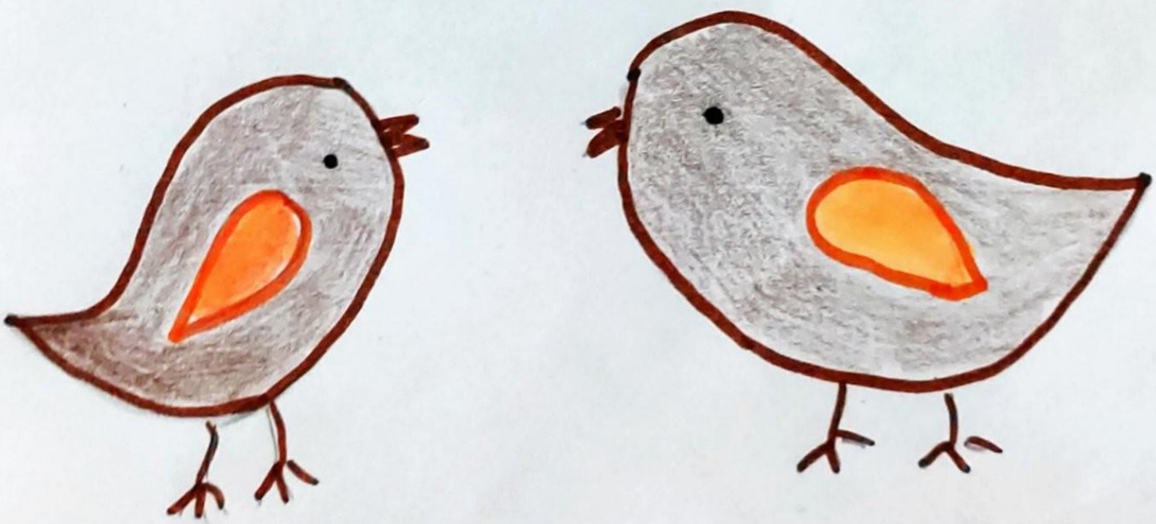

By
PRAKHAR SHARMA
X C
KV INA Colony, N.D.

Hey there
Did you see that?
What?
Those big sheds on that house with red roof.
Tell me something new.. Those are just some metal umbrellas
Hmmm... They are a bit tilted, may be a swing, but too high -- no stars

MunMun sat on the tree near the house with red roof. He knew Bunty, the boy who lived in that house Bunty was on roof with his father. MunMun heard them talk about those strange sheds.

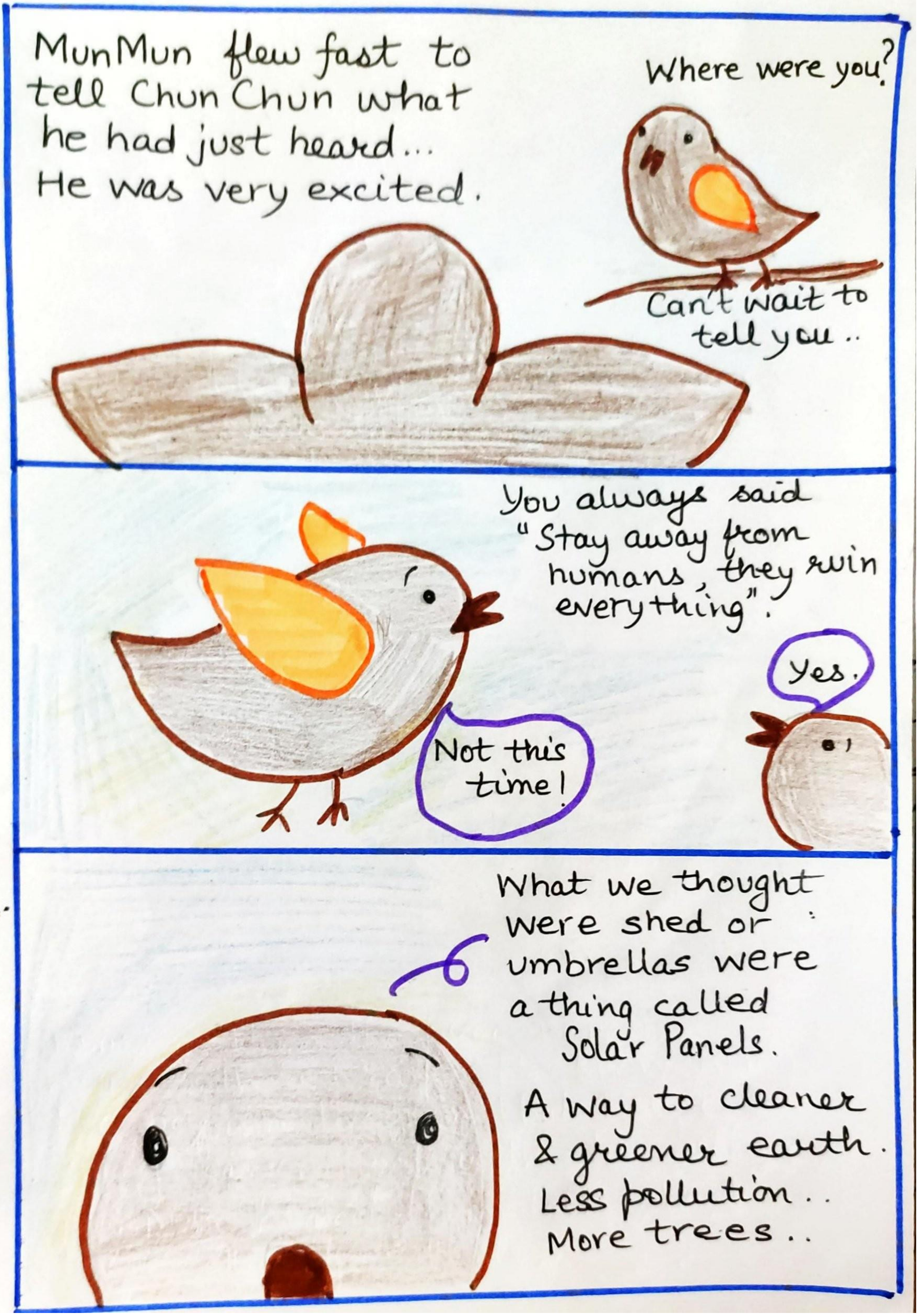
MunMun flew fast to tell Chun Chun what he had just heard... He was very excited.
Where were you?
Can't wait to tell you..
You always said "Stay away from humans, they ruin everything".
Yes.
Not this time!
What we thought were shed or umbrellas were a thing called Solar Panels.
A way to cleaner & greener earth.
Less pollution..
More trees..

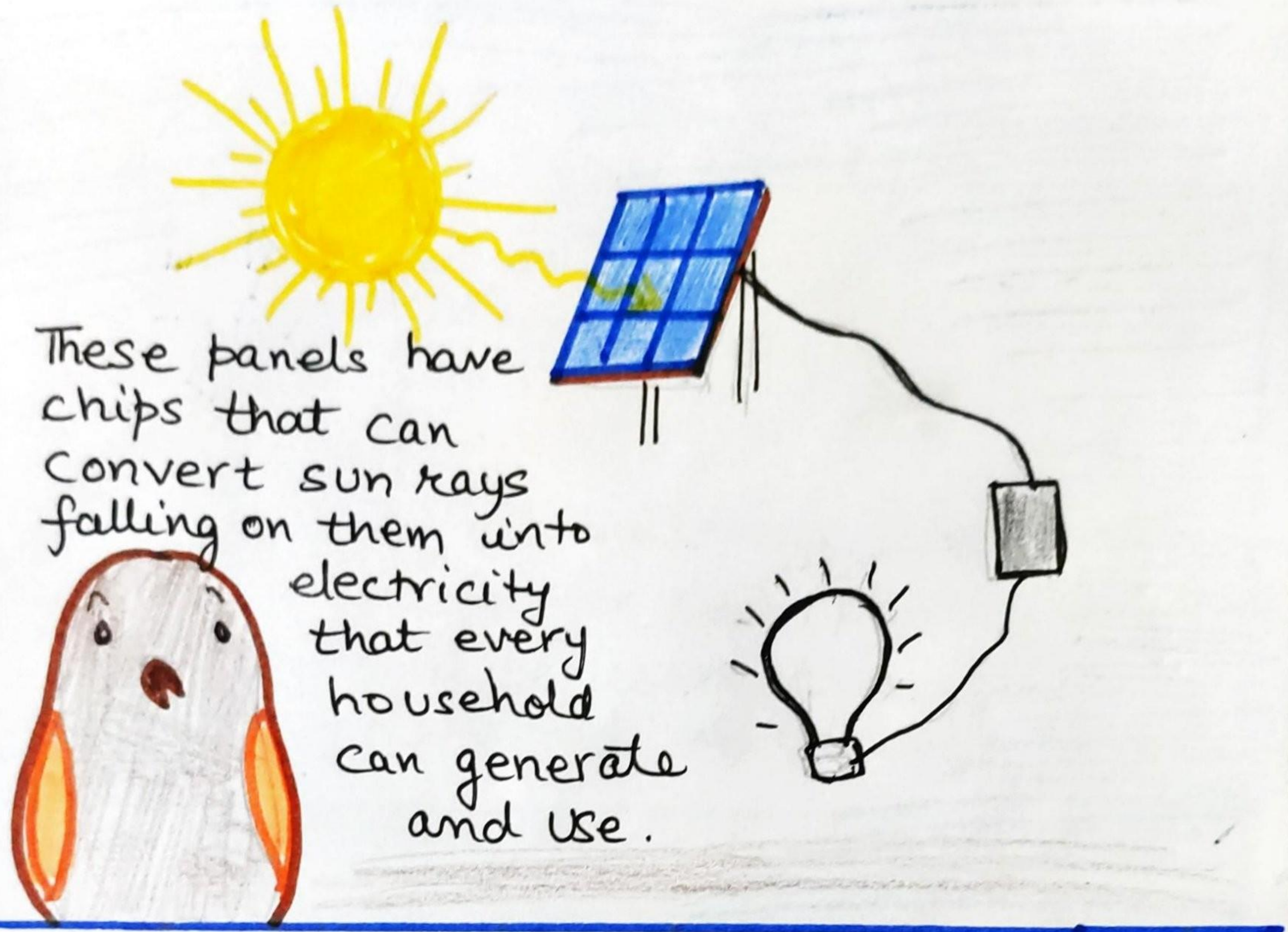
These panels have chips that can convert sun rays falling on them into electricity that every household can generate and use.

This means less use of coal, and petrol that causes air pollution.
In place of coal used in thermal plants, solar energy can be used.
No smoke
No pollution
Fossil Fuels

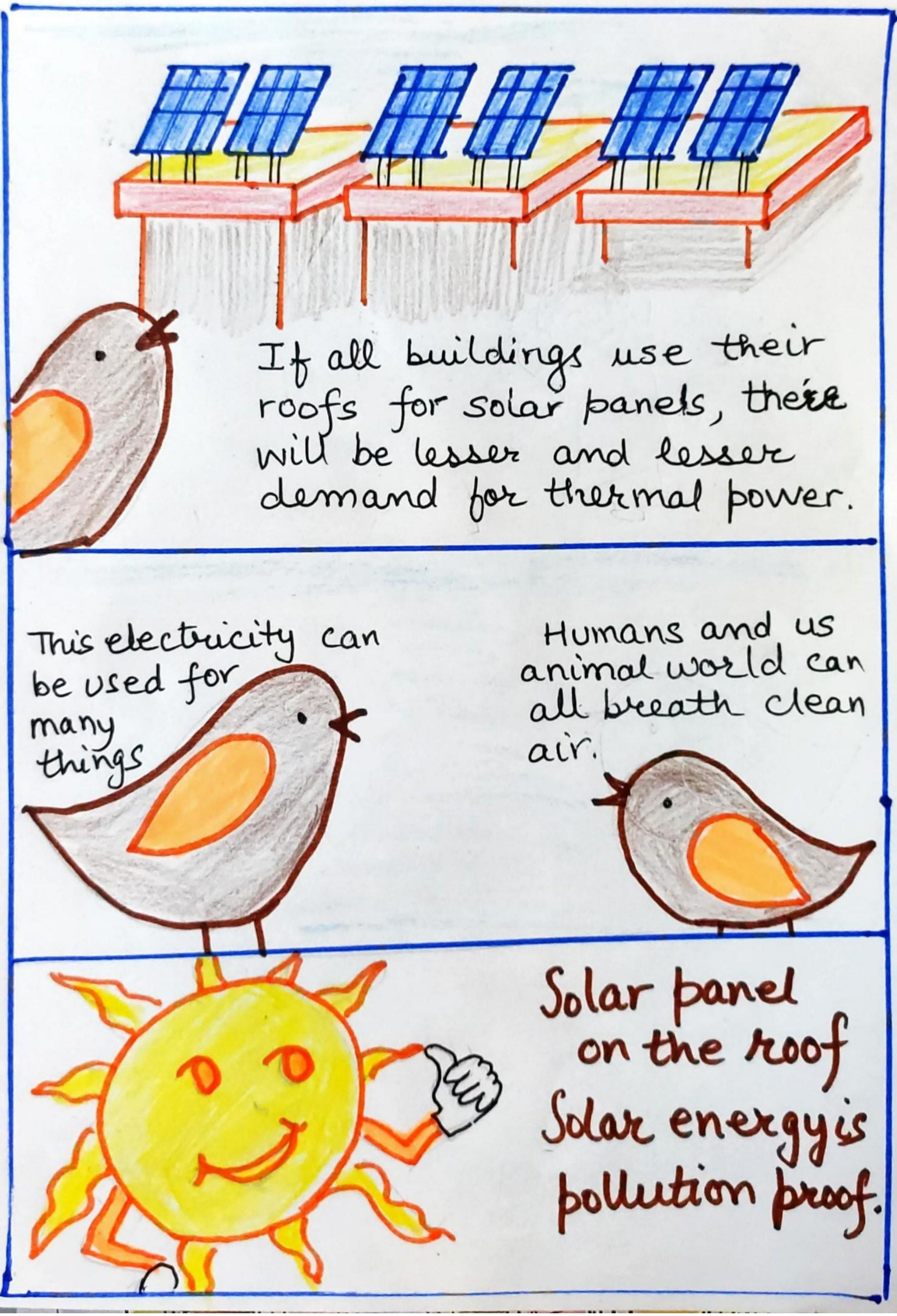
If all buildings use their roofs for solar panels, there will be lesser and lesser demand for thermal power.
This electricity can be used for many things
Humans and us animal world can all breath clean air.
Solar panel on the roof Solar energy is pollution proof.

Sustainable Development

In a world of progress and endless dreams,
Where nature's beauty gleams and beams,
We strive for a future, harmonious and bright,
Where sustainable development takes flight.

Preserving our forests, the lungs of the land,
Where wildlife roams, majestic and grand.
With each tree we save, a victory is won,
A symphony of life, forever to hum.

Clean waters flowing, rivers so clear,
A sanctuary for creatures, far and near.
Conserving this gift, our duty profound,
A legacy for generations, unbound.

Let's weave a tapestry of eco-friendly threads,
With sustainable farming and organic spreads.
Nurturing the soil, embracing diversity,
For a bountiful harvest, in perpetuity.

Renewable energy, our guiding light,
Harnessing the sun, wind, and might,
Reducing our footprint, step by step,
Embracing innovation, we adept.

Let's plant the seeds of sustainable thought,
In hearts and minds, let it be taught,
Together we rise, united we stand,
Hand in hand, across the land.

For sustainable development, a vision so grand,
To heal our planet, hand in hand,
Let's leave a legacy, vibrant and green,
A world of harmony, forever seen.

Chetanya
Class - IX C

Nephew's Birthday Party

On 17th May it was my nephew's 1st Birthday. We reached at the venue around 5 PM in evening. Some of my cousins have already. We played some game like "Pass the Parcel", Dumb Charades and musical chairs. The cake cutting ceremony took place at 7:30 followed some dancing. Around 8 everybody had their meal.

After we got to see the presents which he got. Talk for a while and said a warm goodbye and leave.

Wonder Of Waste

On 18th June it was father's day. Me and my sister and my father planned to have a loving and cute a dad and daughter day out at wonder of waste theme Park. It was a fun ride with my father and sister. We spent the journey by singing multiple songs. The place were [illegible] with [illegible]. It has green safari theme. The replica of the 7 wonders of world made out of waste. In the evening the monuments were beautifully lit.

We ended our evening with veg-noodles and ice-cream treat. I wouldn't have asked for a better day.

2011
Thursday
December
22

Surajgarh Farmhouse

We woke up at 5 am. Got ready and left at 6.30 to spend a day in Surajgarh Farmhouse. We got the tickets and started our excursion by eating annual breakfast and enjoying some rides and we have pleasure to watch a puppet show, did some pottery and watch a magic show. It was an whole new experience and delightful. Escape from city life. I also rode on a camel and bullcart with my sister. We also did zip-lining and rope climbing.

I will always cherish this experience. It was a wonderful and adventurous day.

Howrah Bridge

When I was in Bengal I visited the famous Howarh Bridge. It was so beautiful. Then after some we decided to watch the sunset from bridge and sunset was amazing. Then after a long walk made it to a cafe. The cafe had a warm vibe to it.

There was Graffiti around the wall of cafe. We enjoyed some performances by local singers and enjoyed each other company.

CREATIVE CORNER

TRIBAL EMPOWERMENT
Education
Sustainable Livelihoods
Woman's Empowerment
Rural Hospitals
NAME:TANYA
CLASS:6TH C

NAME:DIVYA CHAUDHARY
CLASS:9TH B

NAME:SHIKHA CHAUDHARY
CLASS:9TH-B

NAME:PAYAL
CLASS:9 C

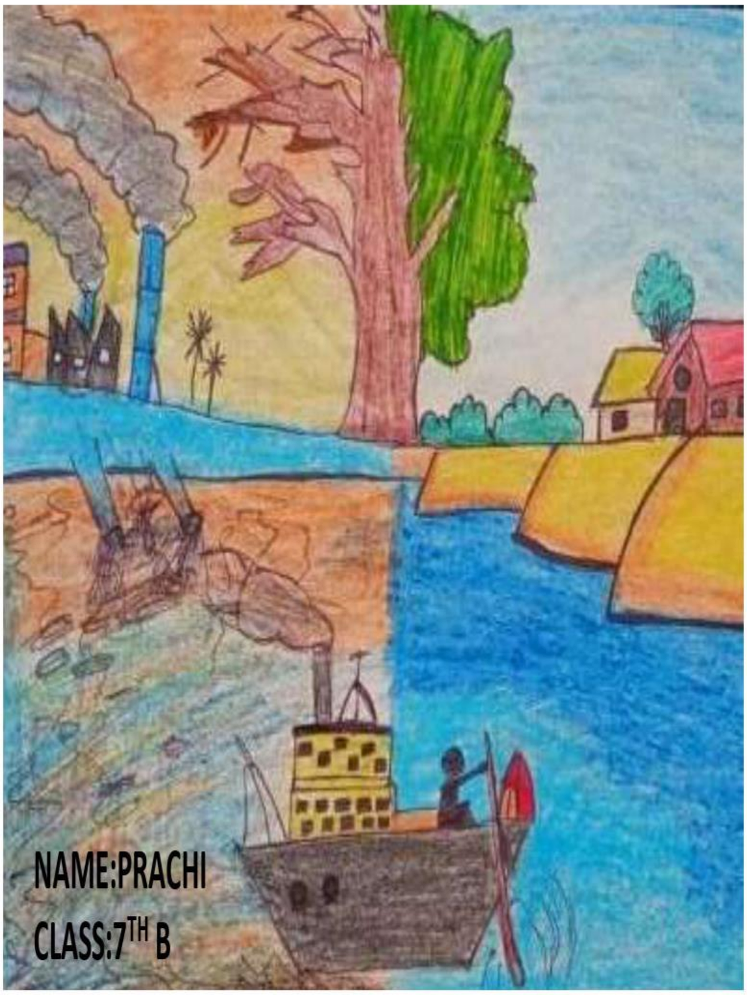
NAME:PRACHI
CLASS:7TH B

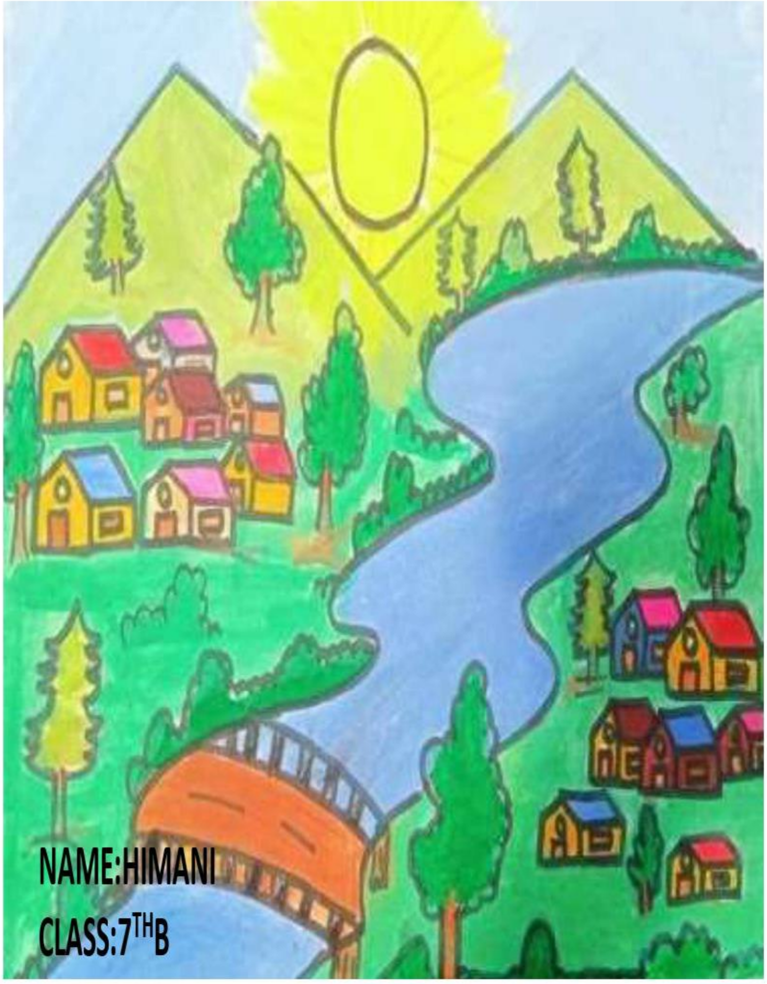
NAME:HIMANI
CLASS:7THB

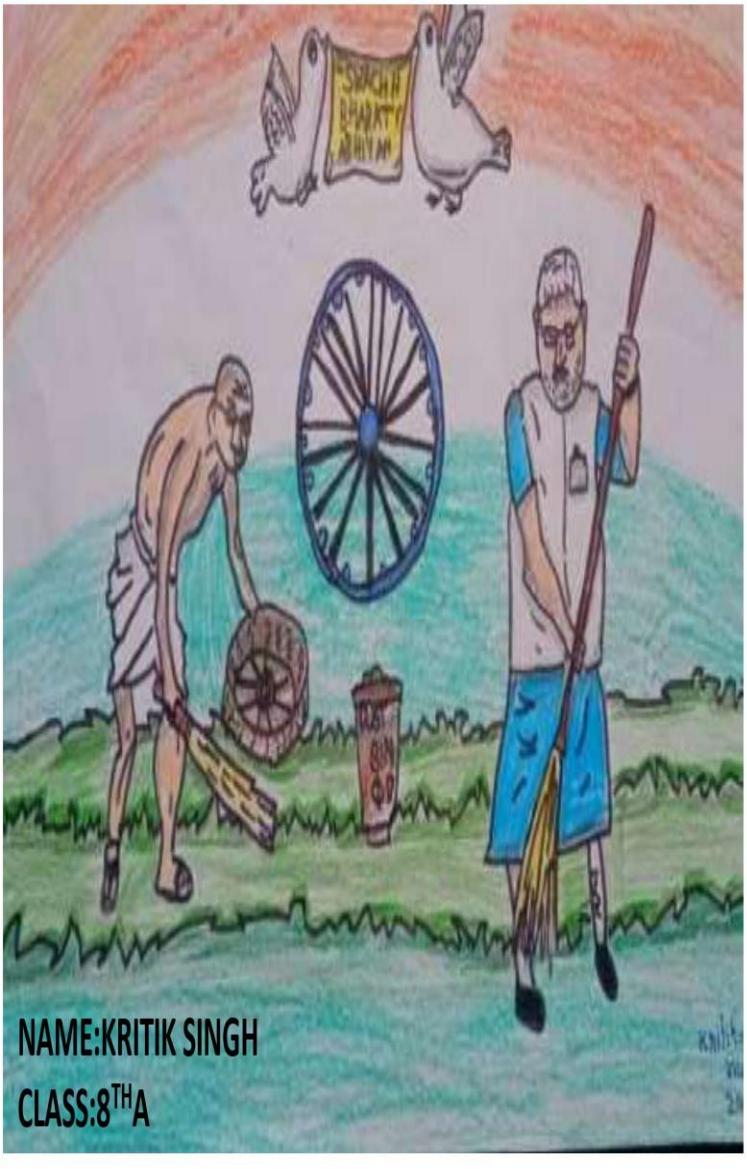
NAME:KRITIK SINGH
CLASS:8THA

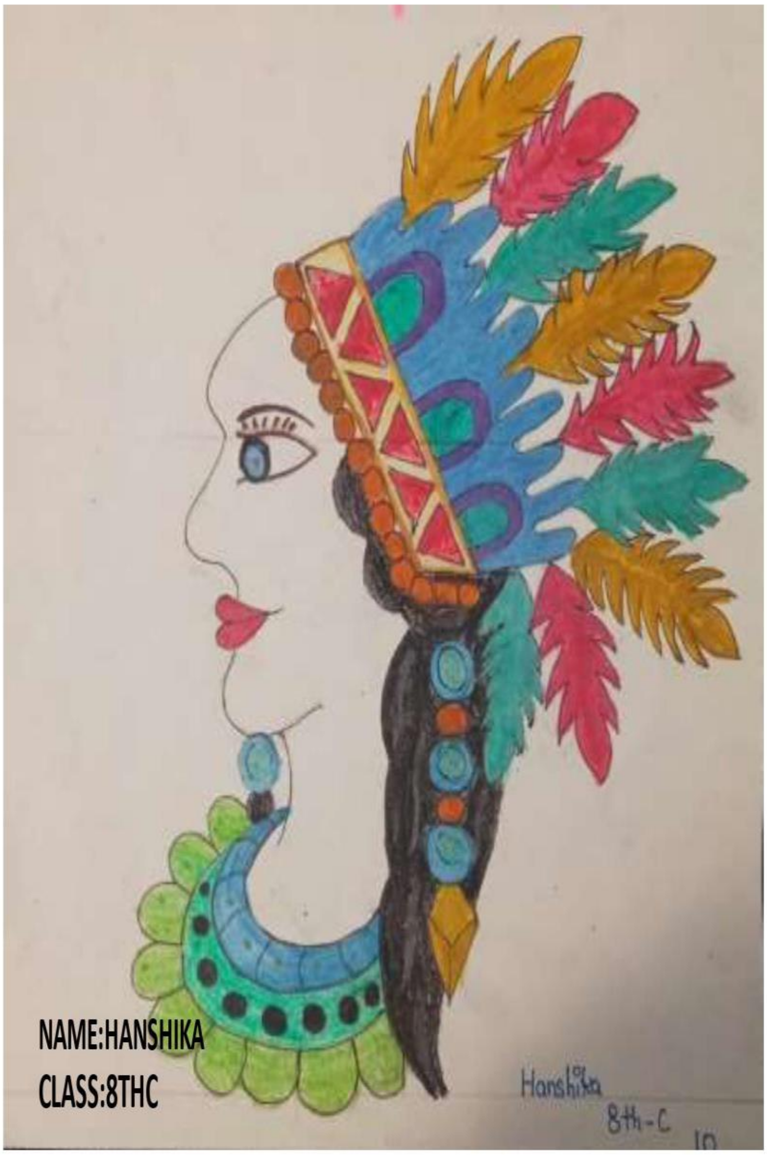

NAME:HANSHIKA
CLASS:8THC

NAME:SHALINI
CLASS:9TH B

NAME: SRIYANKA DASH
CLASS:6TH C

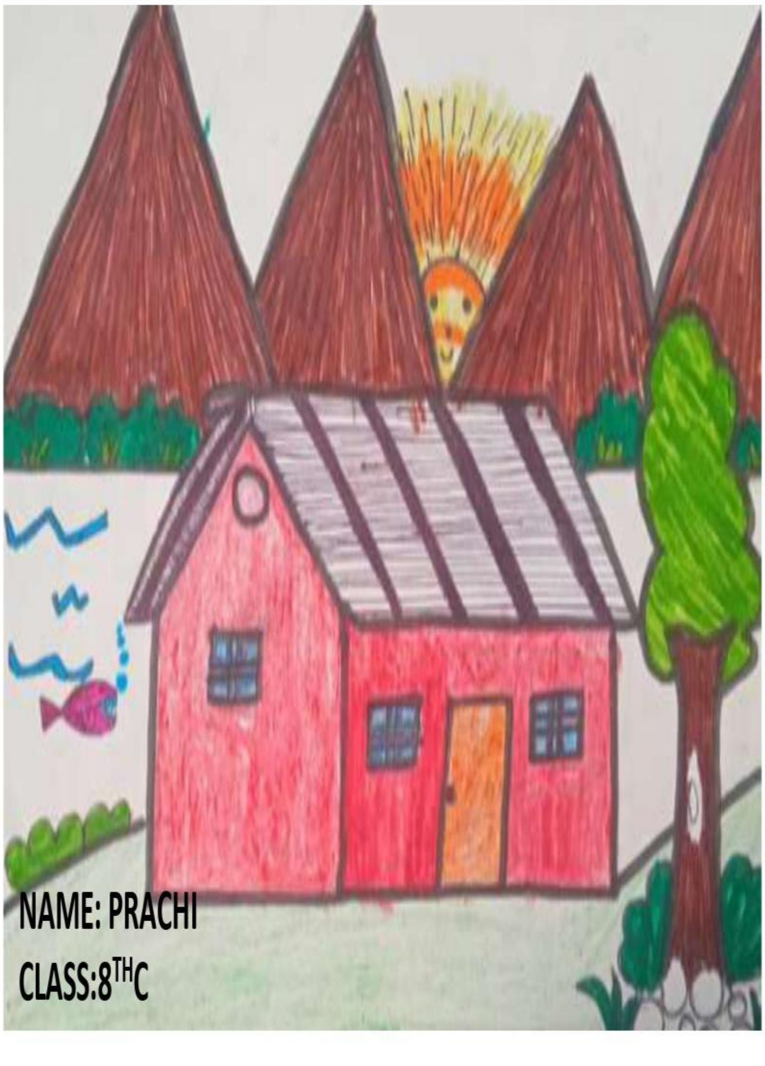

NAME: PRACHI
CLASS:8TH C

NAME:ARCHANA THAKUR
CLASS:9TH B

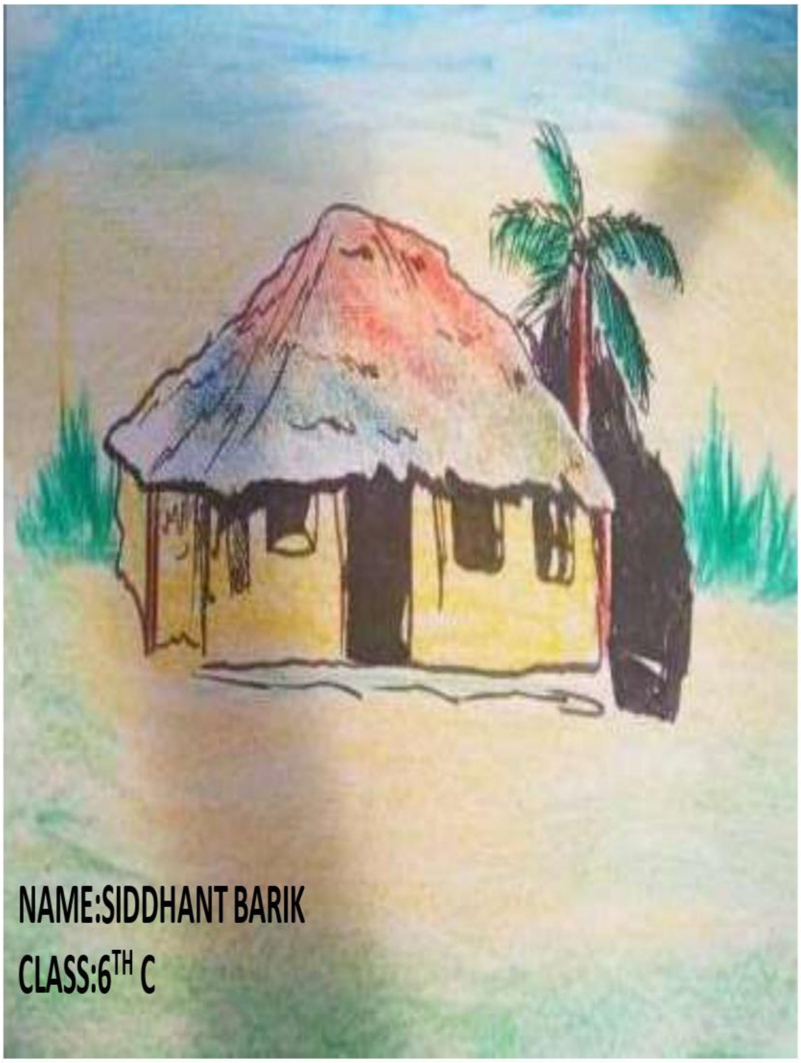

NAME:SIDDHANT BARIK
CLASS:6TH C

NAME: DEEPANSHU KUMAR
CLASS:8TH C

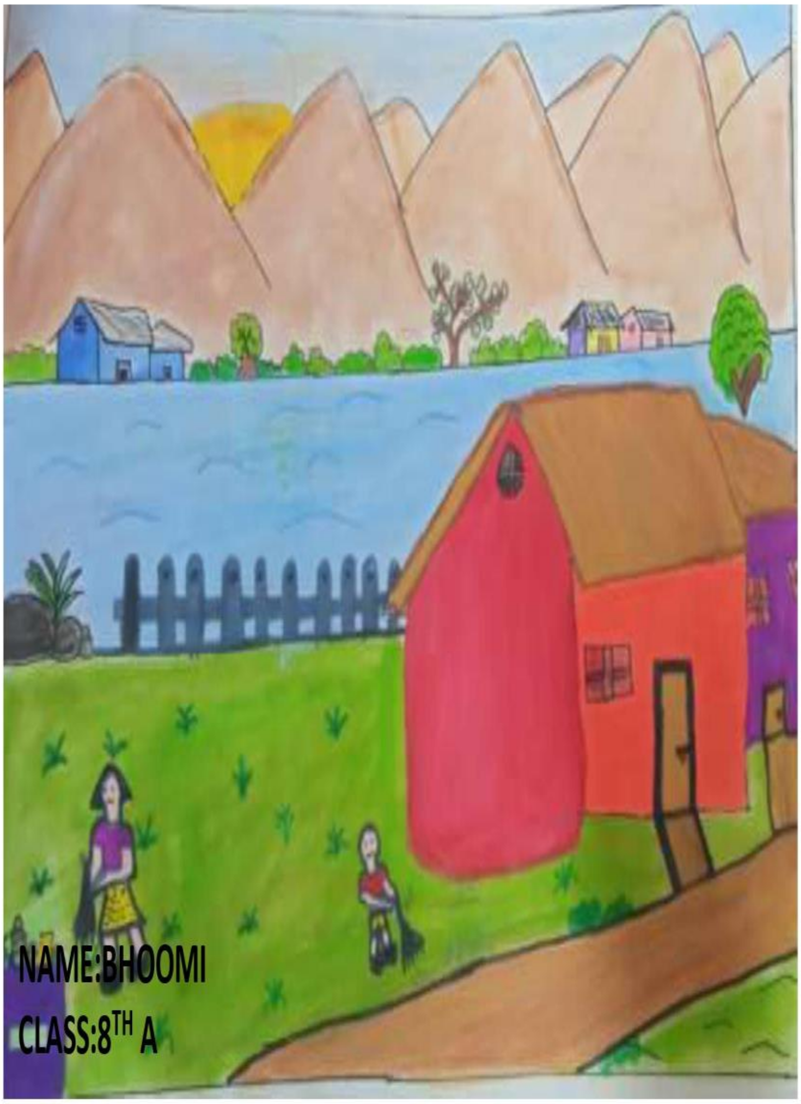

NAME:BHOOMI
CLASS:8TH A

NAME: AVNI
CLASS: 5TH B